

मोपाल

08 अक्टूबर 2026

गुरुवार

आज का मौसम

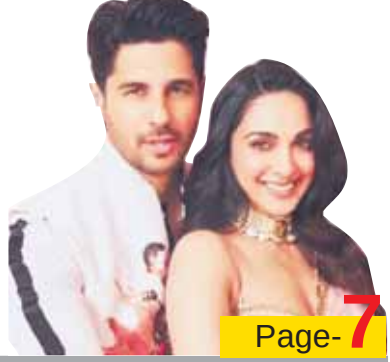
 34.4 अधिकतम

 18.8 न्यूनतम

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो



मोबाइल अब सिर्फ चैटिंग की चीज नहीं... 10 गुना इंटरनेट स्पीड बढ़ने से गेमिंग और कंटेंट क्रिएशन का दौर

इंडिया मोबाइल कांग्रेस में पीएम ने गिनाए डायरेक्ट बेनिफिट योजना के फायदे और पूछा

जिनकी मुफ्त की कमाई बंद हो गई वो मोदी से प्यार करेंगे क्या?

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस के 10वें एडिशन की शुरुआत करते हुए कहा कि मोबाइल अब सिर्फ चैटिंग की चीज नहीं है। 5G के विस्तार से इंटरनेट स्पीड 10 गुना तक बढ़ी है। इससे गेमिंग और कंटेंट क्रिएशन का नया दौर उभरा है। प्रधानमंत्री ने भारत के ऐतिहासिक डिजिटल और टेलीकॉम सफर को सामने रखा। उन्होंने कहा कि 5G विस्तार और डिजिटल कनेक्टिविटी से भारत ने सामाजिक बदलाव और सेमीकंडक्टर निर्माण में बड़ी छलांग लगाई है। तकनीक अब सिर्फ बातचीत तक सीमित न रहकर सुशासन, अर्थव्यवस्था और गेमिंग से जुड़ गई है। प्रधानमंत्री ने याद दिलाया कि साल 2022 में इसी फोरम से 5त की शुरुआत हुई थी। आज भारत में साढ़े पांच लाख से अधिक 5त बेस स्टेशन सक्रिय हैं। इस भारी विस्तार के चलते भारत में मोबाइल इंटरनेट की स्पीड 2022 की तुलना में 10 गुना तक बढ़ चुकी है। भारत अब केवल नेटवर्क का विस्तार नहीं कर रहा, बल्कि वैश्विक मानकों और रिसर्च की दिशा में भी मजबूती से आगे बढ़ रहा है। टेलीकॉम नेटवर्क को गुड गवर्नेंस का टूल बताते हुए पीएम ने कहा कि तकनीक से बिचौलियों की भूमिका खत्म हुई है। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के जरिए करीब 50 लाख करोड़ रुपये सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजे गए। इस पारदर्शी व्यवस्था से करीब 5 लाख करोड़ रुपये गलत हाथों में जाने से बचे हैं। पीएम किसान योजना की राशि भी सीधे किसानों तक बिना रुकावट पहुंच रही है। पीएम मोदी ने इसी बात को लेकर सवालिया अंदाज में कहा कि जिन लोगों की बिना मेहनत की कमाई बंद हो गई है, वे मोदी से प्यार करेंगे क्या?

मोबाइल फोन आज सिर्फ चैटिंग का साधन नहीं, बल्कि गेमिंग कंसोल और स्टूडियो बन चुका है। भारत में 50 करोड़ से ज्यादा लोग गेमिंग इकोसिस्टम से जुड़ चुके हैं और युवा नए बिजनेस खड़े कर रहे हैं। वहीं रीजनल ओटीटी और वीडियो प्लेटफॉर्म से कंटेंट इंडस्ट्री को हजारों करोड़ रुपये का बाजार बना दिया है, जिससे भाषाई बाधाएं भी दूर हुई हैं।



मोबाइल कांग्रेस में पीएम नरेंद्र मोदी को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया।

साइबर फ्रॉड रोकना हो सभी की प्राथमिकता

पीएम मोदी ने कहा कि मोबाइल फोन ने भारत में कंटेंट क्रिएशन में क्रांति ला दी है, लेकिन फोन और नेटवर्क की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। सामान्य नागरिक प्रोटोकॉल की भाषा में नहीं सोचता। जब उसके पास फोन आए तो उसे पता होना चाहिए कि कौन फोन कर रहा है। जब वह पेमेंट करे तो उसे भरोसा होना चाहिए कि उसका पैसा सुरक्षित है और उसका डेटा भी सुरक्षित है। साइबर फ्रॉड सीमाओं को नहीं मानते। एक देश में बैठा व्यक्ति दूसरे देश की मदद से तीसरे देश में अपराध कर रहा है। ऐसे में जरूरी है कि हम साइबर फ्रॉड रोकने के लिए एक ग्लोबल फ्रेमवर्क पर काम करें।

इस बार की थीम 'स्केल विदाउट बाउंड्रीज'

मोबाइल कांग्रेस 2026 की थीम 'स्केल विदाउट बाउंड्रीज' यानी बिना सीमाओं के विस्तार रखी गई है। इस आयोजन में भारत के दूरसंचार, डिजिटल कनेक्टिविटी और तकनीकी क्षेत्र में हुए विकास को दुनिया के सामने रखा जा रहा है। कार्यक्रम सरकार, दूरसंचार कंपनियों, तकनीकी विशेषज्ञों, स्टार्टअप और निवेशकों को एक मंच पर ला रहा है। इस बार आयोजन में चार नए क्षेत्रों को भी शामिल किया गया है। इनमें स्मार्ट मोबिलिटी, स्टेडियम अनुभव, औद्योगिक रोबोटिक्स और परिवहन तकनीक शामिल हैं। सरकार के मुताबिक, इस बार इंडिया मोबाइल कांग्रेस में 100 से ज्यादा देशों के 1.5 लाख से अधिक प्रतिभागियों के पहुंचने की उम्मीद है।

स्टारलंक की भारत में एंट्री अटकती

एलन मस्क बोले - कुछ बड़े कारोबारी एकाधिकार के लिए लगा रहे अड़ंगा



नई दिल्ली, एजेंसी

स्पेसएक्स की सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलंक को भारत में व्यावसायिक सेवा शुरू करने के लिए अब भी अंतिम मंजूरी का इंतजार है। कंपनी ने भारत में प्रवेश की तैयारी के तहत लाइसेंस और जरूरी प्रक्रियाएं पूरी की हैं और आधारभूत ढांचा तैयार किया है, लेकिन सुरक्षा से जुड़ी कुछ अहम शर्तों पर अंतिम सहमति नहीं बन सकी है। स्पेसएक्स के प्रमुख एलन मस्क ने एक्स पर एक पोस्ट के जवाब में कहा कि कुछ बड़े कारोबारी

भारत में अपने एकाधिकार को बनाए रखने के लिए स्टारलंक को रोक रहे हैं। उन्होंने इसे भारतीय लोगों के हितों के खिलाफ बताया। स्टारलंक की भारत में एंट्री का मामला केवल कारोबारी प्रतिस्पर्धा तक सीमित नहीं है। सरकार की प्रमुख चिंता राष्ट्रीय सुरक्षा और भारतीय उपभोक्ताओं के आंकड़ों की सुरक्षा को लेकर है। सरकार चाहती है कि स्टारलंक का नेटवर्क भारतीय सुरक्षा नियमों के अनुरूप संचालित हो। जरूरत पड़ने पर सुरक्षा एजेंसियां नेटवर्क की निगरानी कर सकें और भारतीय उपयोगकर्ताओं से जुड़ा जरूरी आंकड़ा देश के भीतर सुरक्षित रखा जा सके। इसके अलावा सरकार चाहती है कि भारत में स्टारलंक का इंटरनेट ट्रैफिक निर्धारित घरेलू ढांचे और प्रवेश केंद्रों के माध्यम से संचालित हो। इससे सुरक्षा एजेंसियों को नेटवर्क पर निगरानी और कानून के तहत जरूरी कार्रवाई में सुविधा मिल सकेगी।

भारत में विशाल इंटरनेट बाजार और दूरदराज के क्षेत्र

भारत में स्टारलंक की दिलचस्पी का बड़ा कारण देश का विशाल इंटरनेट बाजार और दूरदराज के क्षेत्र हैं। जहां फाइबर या मोबाइल नेटवर्क पहुंचाना मुश्किल है, वहां सैटेलाइट इंटरनेट वैकल्पिक व्यवस्था बन सकता है। मस्क इससे पहले भी भारत में स्टारलंक की शुरुआत के लिए भारतीय नेताओं और अधिकारियों से मुलाकात कर चुके हैं। इसके बावजूद अंतिम मंजूरी सुरक्षा और नियामकीय शर्तों के कारण अटकती हुई है।

न्यूज विंडो

वायुसेना का स्थापना दिवस: हिंडन पर परेड, आईएफ चीफ ने ली सलामी



नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना का 94वां स्थापना दिवस समारोह हिंडन एयरबेस में मनाया गया। इस अवसर पर वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह शामिल हुए। सिंह ने वायु सेना दिवस समारोह में परेड का निरीक्षण किया। उन्होंने परेड की सलामी ली और उत्कृष्ट कार्य करने वाले जवानों को सम्मानित किया। पहली बार ब्रह्मोस मिसाइल के साथ स्वदेशी विमान तेजस, आकाश और ध्रुव भी इस दिवस का हिस्सा बने।

फार्मा कंपनियों की गलत मार्केटिंग प्रैक्टिस रोकें: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आज केंद्र सरकार को एक कमेटी बनाने का निर्देश दिया। यह कमेटी सुझावों पर विचार करेगी और सरकार को सिफारिशें देगी ताकि यह पक्का किया जा सके कि फार्मास्यूटिकल कंपनियां अनैतिक मार्केटिंग तरीकों का इस्तेमाल न करें। जस्टिस विक्रम नाथ और सदीप मेहता की बेंच ने एक याचिका पर यह आदेश दिया। याचिका में मांग की गई थी कि जब तक कोई अक्सदार कानून नहीं बन जाता, तब तक सुप्रीम कोर्ट दवा कंपनियों की अनैतिक मार्केटिंग प्रैक्टिस को कंट्रोल और रेगुलेट करने के लिए गाइडलाइंस तय करे।

आज का कार्टून



अमेरिकी राष्ट्रपति 6 साल से मांग रहे प्राइज

ट्रम्प बोले-मुझे नोबेल दो नहीं तो कमेटी की बदनामी होगी

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर नोबेल शांति पुरस्कार पर अपनी दावेदारी जताई। 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा कल होनी है।

इससे एक दिन पहले ट्रम्प ने कहा कि उन्हें यह पुरस्कार मिलना चाहिए। अगर नोबेल समिति उन्हें यह पुरस्कार नहीं देती है, तो इससे नोबेल समिति की बहुत बदनामी होगी। मैं अपनी तारीफ नहीं कर रहा हूं, सिर्फ तथ्य बता रहा हूं। मैंने 8 युद्ध रुकवाए और दुनिया को तबाह होने से रोका। शायद किसी भी राष्ट्रपति ने इतने युद्ध नहीं सुलझाए।'

ओबामा को नोबेल मिलने पर भी सवाल उठाए

ट्रम्प ने 2009 में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा को मिले नोबेल शांति पुरस्कार का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ओबामा को यह पुरस्कार मिलने की वजह उन्हें खुद भी पता नहीं थी। ट्रम्प ने कहा कि ओबामा को सिर्फ 8 महीने में यह मिल गया जबकि उन्होंने कुछ किया भी नहीं था। ओबामा को भी आज तक पता नहीं है कि उन्हें यह किसलिए मिला था। 'नॉर्वे की नोबेल समिति ने ओबामा को दूसरे देशों से बातचीत बढ़ाने और दुनिया को परमाणु हथियारों से मुक्त करने की उनकी कोशिशों के लिए चुना था। हालांकि, ओबामा को इतने कम समय में पुरस्कार देने का फैसला उस समय भी चर्चा और विवाद का विषय बना था। ट्रम्प के लिए नोबेल प्राइज मांगना कोई नई बात नहीं है। अक्टूबर 2018 में एक कार्यक्रम में ट्रम्प ने नोबेल शांति पुरस्कार का जिक्र करते हुए कहा था कि उन्हें शायद यह पुरस्कार कभी नहीं मिलेगा, भले ही ने कोरिया और सीरिया में शांति कायम करने की कोशिश कर रहे हों।

स्मृति शेष

दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का 75 की उम्र में निधन, 3 नेशनल, 4 फिल्मफेयर अवॉर्ड मिले

कहा था... 12 मन सूखी लकड़ी ही मेरी प्रॉपर्टी... इसी के साथ चला जाऊंगा

मुंबई, एजेंसी

जाने-माने बेलाग और बेलौस एक्टर नाना पाटेकर ने इस दुनिया को बेरुखी के साथ अलविदा कह दिया। आज सुबह उनका 75 साल की उम्र दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। नाना पाटेकर का 2023 में एक इंटरव्यू काफी चर्चा में रहा था। उन्होंने कहा था- 'मुझे मालूम है कि कल मरने वाला हूं मैं, मुझे मृत्यु पर विश्वास है। जो लोग सोचते हैं कि हम कभी मरने वाले नहीं हैं, वो बटोरते रहते हैं, वो बस जुटाते रहते हैं। इंटरव्यू में नाना से जब यह पूछा गया कि आपने कितने लोगों को देखा होगा इंडस्ट्री में बदलते हुए, उन्हें ग्लैमर हू जाता है और वो बदल जाते हैं, मगर आप किस मिट्टी से बने हैं कि बनावट आपके अंदर नहीं आई। इस सवाल पर सीधे सपाट लहजे में नाना ने कहा था- 'हमें मालूम है कि हमको जाना है और



मृत्यु के बाद मां से मिलने जाऊंगा

नाना पाटेकर ने एक बार कहा था- 'आज भी मुझे लगता है कि मेरी मां अभी जिंदा है। यहां से निकलने यानी मृत्यु के बाद मैं उनसे मिलने जाऊंगा। हम 7 भाई बहन थे। वो 6 गुजर गए और मैं अकेला रह गया। इसलिए मुझे लगता है कि मां, बाप, भाई, बहन कोई नहीं रहा तो मैं इस दुनिया का नहीं रहा। मेरे तो सभी वहीं हैं तो मैं हमेशा वहीं सोचता हूं कि मरने के बाद उनसे मिलने जाऊंगा।'

12 मन सूखी लकड़ी लगने वाली है। यही मेरी पूरी प्रॉपर्टी है, इसी के साथ चला जाऊंगा। कार्डिएक अरेस्ट के बाद नाना को बचाने का प्रयास करने वाले मणिपाल अस्पताल के डॉ. शेखर ने बताया कि रात करीब 2:30 बजे नाना ने एक दोस्त

को मैसेज कर तबीयत ठीक नहीं लगने की बात कही थी। रात होने के कारण दोस्त ने उस समय मैसेज नहीं देखा। बाद में फोन करने पर वह करीब 4 बजे नाना के घर पहुंचा। उस वक्त नाना को काफी पसीना आ रहा था और उनकी हालत बिगड़ रही थी। कुछ देर बाद

'वेलकम' में उदय शेड़ी बनकर छाप

2007 में आई फिल्म 'वेलकम' में नाना पाटेकर ने गैंगस्टर उदय शेड़ी का किरदार निभाया था। इस कॉमेडी रोल को काफी पसंद किया गया। व इसके सौकल 'वेलकम बैक' में भी उदय शेड़ी के किरदार में नजर आए। नाना के उदय शेड़ी के किरदार के डायलॉग्स पर कई मीम्स बने। 1989 की फिल्म 'परिदा' में नाना ने अन्ना का किरदार निभाया, जिसके लिए उन्हें बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला। 1994 की 'क्रांतिवीर' के लिए उन्हें बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला। 1996 की 'अग्निबाही' के लिए भी उन्हें बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला। 2013 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया।

वह बेहोश होने लगे। इसके बाद एंबुलेंस बुलाई गई। तुरंत कार्डियक मसाज शुरू की गई। उन्हें सुबह करीब 4:20 से 4:30 बजे के बीच मणिपाल अस्पताल लाया गया, लेकिन डॉक्टरों के मुताबिक, उन्हें मृत अवस्था में अस्पताल लाया गया था।

नो यूपीआई डे: भोपाल में चावल-दाल व्यापारियों का एमडीआर चार्ज को लेकर आंदोलन

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी भोपाल में आज व्यापारी ‘नो-यूपीआई डे’ मना रहे हैं। थोक दाल-चावल व्यापारी यह सांकेतिक प्रदर्शन करेंगे। वे 2 हजार रुपए से ज्यादा का पेमेंट ऑनलाइन नहीं लेंगे। व्यापारी यूपीआई चार्ज का विरोध कर रहे हैं। बता दें कि व्यापारियों के विरोध की मुख्य वजह 15 अक्टूबर से प्रस्तावित यूपीआई चार्ज है। इसके तहत 2 हजार रुपए से ज्यादा के व्यक्ति से व्यापारी को किए जाने वाले यूपीआई भुगतान पर 0.4% एमडीआर प्रस्तावित है। 75 हजार रुपए या उससे ज्यादा के लेनदेन पर यह शुल्क अधिकतम 300 रुपए तक होगा।

व्यापारियों का कहना है कि इससे खासकर थोक कारोबारियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। उनका कहना है कि 2

हजार रुपए से ज्यादा के 10 लेन-देन होने पर भी एक दिन में 3 हजार रुपए तक का चार्ज बन सकता है। भोपाल किराना व्यापारी महासंघ के महामंत्री विवेक साहू ने बताया कि यूपीआई आज व्यापार और आम जनता के लिए भुगतान का सबसे सरल, तेज और सुविधाजनक माध्यम बन चुका है। ऐसे में यूपीआई पर एमडीआर चार्ज लगाए जाने से छोटे एवं मध्यम व्यापारियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। उन्होंने कहा कि व्यापारियों की ओर से 8 अक्टूबर को ‘नो यूपीआई डे’ के माध्यम से सरकार तक अपनी बात शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से पहुंचाई जाएगी। इस दिन बाजार के सभी व्यापारियों से अपील की गई है कि वे यूपीआई भुगतान स्वीकार न कर इस सांकेतिक विरोध में सहभागी बनें।



UPI का नया नियम, 5 बड़ी बातें

- 1 एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को पैसा भेजना पूरी तरह से ख़ी रहेगा।
- 2 ₹2,000 तक वाहक से दुकानदार को भुगतान की रहेगा।
- 3 ₹2,000 से ज्यादा अमाउंट पर दुकानदार को मिलने वाले पेमेंट पर 0.4% चार्ज लगेगा।
- 4 कैलकुलेशन के मुताबिक, ₹75,000 या उससे ज्यादा के हर ट्रांजेक्शन पर ₹300 ही कीस लगेगा।
- 5 रेस्ते, टेलीकॉम बॉर्डिंग, इन्फोर्मेशन और इनर सिटी बुकिंग केंद्रों में ₹2,000 से ज्यादा के UPI पेमेंट पर प्रति ट्रांजेक्शन ₹5 का फ्लैट चार्ज लगेगा।
सोर्स : एजेंसी

MDR यानी Merchant Discount Rate

यह क्या है?
दुकानदार से डिजिटल पेमेंट लेने के बच्ने ली जाने वाली कीस

इस उदाहरण से समझिए

वाहक ने दुकान पर ₹5,000 UPI से पेमेंट किया

दुकानदार को ₹5,000 का पेमेंट मिला

MDR 0.4% लगेगा

₹5,000 का 0.4% = ₹20

बैंक या पेमेंट सिस्टम दुकानदार से ₹20 MDR कीस लेगा

अंकी कैंक

MDR राइडक की चीस नहीं, दुकानदार से जुड़ा चार्ज है।

MDR का 72 पेमेंट की रकम का एक छोटा प्रतिशत होता है।

सोर्स : एजेंसी

डिजिटली भुगतान को बढ़ावा दिया

चावल-दाल व्यापारी संघ के अध्यक्ष महेश रामरखानी एवं सचिव सचिन संगतानी ने बताया कि व्यापारी डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने में व्यापारियों ने हमेशा सहयोग किया है। डिजिटल इंडिया की दिशा में व्यापारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। सरकार से अपेक्षा है कि व्यापारियों की व्यावहारिक समस्याओं को ध्यान में रखते हुए एमडीआर संबंधी निर्णय पर पुनर्विचार किया जाए।

न्यूज विंडो

डॉ. मनीषा श्रीवास्तव बनीं बीएमएचआरसी की पूर्णकालिक निदेशक

भोपाल। भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (बीएमएचआरसी) को अब पूर्णकालिक निदेशक मिल गया है। डॉ. मनीषा श्रीवास्तव ने बुधवार को संस्थान के निदेशक का कार्यभार संभाल लिया। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने 7 अक्टूबर को उनकी नियुक्ति का आदेश जारी किया। डॉ. मनीषा श्रीवास्तव पिछले करीब तीन वर्षों से बीएमएचआरसी की प्रभारी निदेशक के रूप में संस्थान की जिम्मेदारी संभाल रही थीं। अब पूर्णकालिक निदेशक के रूप में उनकी नियुक्ति के बाद संस्थान में मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ रिसर्च गतिविधियों को मजबूत करने पर फोकस रहेगा। निदेशक की जिम्मेदारी मिलने पर डॉ. श्रीवास्तव ने आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल के प्रति आभार जताया।

भोपाल में पटाखा दुकानों की शिफ्टिंग कोर्ट के आदेश पर अटकी

भोपाल। शहर के लालघाटी हलालपुर स्थित 15 पटाखा दुकान और पांच गोदाम की शिफ्टिंग का मामला बैरागढ़ एसडीएम रवीश श्रीवास्तव के कोर्ट में लगा हुआ है। जिसको लेकर सुनवाई हुई, जिसमें पटाखा कारोबारियों ने अपना पक्ष रखा। जिसे सुनने के बाद एसडीएम ने आदेश को अपने पास सुरक्षित रख लिया है। वहीं जलपुर हाईकोर्ट में भी पटाखा दुकान व गोदाम को लेकर सुनवाई चल रही है, जहां कोर्ट का आदेश आना अभी बाकी है। बताया जा रहा है कि कोर्ट का आदेश आने के बाद आगे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। सूत्रों ने बताया कि अब प्रशासन व नगर निगम जिस जगह पर दुकान स्थित है वहां का भूमि उपयोग पता लगाने में जुट गए हैं। यदि भूमि उपयोग व्यावसायिक के अलावा अन्य कुछ हुआ तो निश्चित रूप से नगर निगम द्वारा सीलिंग की कार्रवाई की जा सकेगी।

‘एमपी ट्रैवल मार्ट’-पर्यटन को बढ़ावा देने पर होगा मंथन, प्रदर्शनी आज से

भोपाल। भोपाल में चल रहे मध्य प्रदेश ट्रैवल मार्ट का गुरुवार को दूसरा दिन है। इस दिन सुबह से शाम तक पर्यटन को बढ़ावा देने पर विशेषज्ञ मंथन करेंगे। वहीं, मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल और पर्यटन मंत्रालय के सचिव भुवनेश्वर कुमार बी2बी व प्रदर्शनी का शुभारंभ करेंगे। चार दिवसीय ट्रैवल का बुधवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुभारंभ किया था। कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर (मिटो हॉल) में मार्ट चल रहा है। इसमें अमेरिका, फ्रांस, जापान, इटली समेत करीब 34 देश के 100 मेहमान भी शामिल हैं, जो घरेलू दूर ऑपरेटर्स से अपने अनुभव, पैकेज आदि साझा कर रहे हैं। यह आयोजन राज्य के पर्यटन परिदृश्य का अब तक का सबसे विशाल और रणनीतिक बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) नेटवर्किंग मंच सिद्ध होने जा रहा है। गुरुवार सुबह प्रदर्शनी का शुभारंभ होगा। फिर विशेष चर्चा का सत्र शुरू होगा। जिसका विषय ‘भारत के वन्यजीवों का एक जीवंत परिदृश्य: भारत की वन्यजीव राजधानी के रूप में मध्य प्रदेश’ रहेगा।

अपनी धार्मिक पहचान और परंपराओं के प्रति जागरूक रहें : मुफ्ती

गरबा में मुस्लिम युवाओं का जाना हराम, दोस्तों संग वहां जाने से बचें

भोपाल। दोपहर मेट्रो

नवरात्र में होने वाले गरबा में मुस्लिम युवाओं के शामिल होने को भोपाल के मुफ्ती मोहम्मद गुफरान खान नदवी ने हराम बताया है। बुधवार रात उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर कहा- मुस्लिम युवाओं का दूसरी कौम के धार्मिक त्योहार या रस्म में शामिल होना जायज नहीं है, जो व्यक्ति दूसरी कौम की मुशाबहत (अनुकरण) इख्तिार करता है, वह उसी के तौर-तरीकों में शामिल माना जाता है। शिरकत करना क्या जायज है? नदवी ने कहा- आज के दौर में जो गरबा या हिंदू रस्म होती है, उसमें मुस्लिम लड़कों का शिरकत करना क्या जायज है? बिलकुल हराम है। इतना ही कहूँ बस जो फतवा होता है, हराम के फितने से खाली नहीं है। उन्होंने कहा- कुछ मुस्लिम युवक अपने दोस्तों के साथ गरबा में जाना बेहतर समझते हैं, लेकिन उन्हें बचना चाहिए। दूसरी कौम की धार्मिक पहचान और रस्मों का अनुसरण करना उचित नहीं है।



दूसरे धर्मों के त्योहारों की ओर आकर्षित होने की जरूरत नहीं

नदवी ने कहा- मुस्लिम युवाओं को अपनी धार्मिक पहचान और परंपराओं के प्रति जागरूक रहना चाहिए। उन्होंने दूसरी कौम की मुशाबहत को लेकर कहा कि इस तरह का अनुकरण मुस्लिम समाज के लिए फितने का कारण बन सकता है। मुफ्ती ने मुस्लिम समाज के धार्मिक जीवन और मस्जिदों को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा- मुसलमानों का अपना धर्म और उसकी परंपराएं इतनी खूबसूरत और पाकीजा हैं कि उन्हें दूसरे धर्मों के त्योहारों की ओर आकर्षित होने की जरूरत नहीं है। मुसलमान तो खुद इतना खूबसूरत है और इसका दीन इतना पाकीजा है।

मस्जिद के गेट तक आए हैं तो अंदर भी आ जाएंगे

नदवी ने मस्जिदों के गेट तक दूसरे समुदाय के लोगों के पहुंचने का जिक्र करते हुए कहा कि अगर कोई वहां तक आया है तो संभव है कि आगे चलकर मस्जिद के अंदर भी आए। उन्होंने कहा- जिसे वजू करके अंदर आना है, गुसल करके अंदर ही आ जाओ। अल्लाह तुम्हें नमाज पढ़वा दे।

गेट तक तो आ ही गए हों। इशाल्लाह अंदर भी आ जाओगे। उन्होंने कहा- जो लोग पहले मस्जिद के गेट तक भी नहीं आते थे, वे अब वहां तक पहुंच रहे हैं। उनके मुताबिक, यह इस बात का संकेत है कि लोग मुस्लिमों की नमाज और धार्मिक परंपराओं को लेकर सवाल कर रहे हैं।

मुस्लिम त्योहार कमेटी भी कर चुकी अपील

नवरात्र और गरबा को लेकर ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी ने मुस्लिम युवाओं और समुदाय के लोगों से गरबा में जाने से परहेज करने की अपील की है। कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शेख इस्माइल खान ने 6 अक्टूबर को जारी अपील में कहा कि यह किसी धर्म या धार्मिक आयोजन के विरोध में नहीं है, बल्कि सामाजिक सौहार्द और विवाद से बचने के उद्देश्य से की गई है। कमेटी ने कहा है कि हाल के दिनों में गरबा में मुस्लिम युवाओं की मौजूदगी को लेकर सार्वजनिक तौर पर आपत्तियां सामने आई हैं। भाजपा के कुछ मंत्रियों और विधायकों ने भी गरबा में मुस्लिमों के शामिल होने पर नाराजगी जताई है।

जिलों में अभियान चलाएगी कमेटी

शमशुल हसन ने कहा कि कमेटी अपने प्रदेश, संभाग और जिला स्तर के पदाधिकारियों के माध्यम से अभियान चलाएगी। पदाधिकारियों से कहा जाएगा कि वे अपने क्षेत्रों के उलेमा और सामाजिक संगठनों से संपर्क करें और मीडिया तथा सोशल मीडिया के माध्यम से मुस्लिम समाज के युवाओं को गरबा आयोजनों से दूर रहने की अपील करें। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन से भी संपर्क कर उन्हें कमेटी की पहल के बारे में बताया जाएगा। उद्देश्य किसी धार्मिक आयोजन का विरोध करना नहीं, बल्कि विवाद की स्थिति से बचना और शांति बनाए रखना है।

स्वामित्व योजना पर मध्यप्रदेश सरकार और पटवारियों में तकरार, 27 पटवारी बर्खास्त

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में स्वामित्व योजना के क्रियान्वयन को लेकर सरकार और पटवारियों के बीच विवाद गहरा गया है। योजना के तहत अपेक्षित प्रगति न मिलने पर राज्य शासन द्वारा 7 जिलों में 3 साल के प्रोबेशन पीरियड पर चल रहे 27 पटवारियों की सेवा समाप्त (बर्खास्त) कर दी गई है। इसके विरोध में प्रदेशभर के करीब 24 हजार पटवारी एकजुट हो गए हैं। पटवारी संघ ने 8 से 11 अक्टूबर तक 4 दिन के सामूहिक अवकाश पर रहने और सभी सरकारी व्हाट्सएप ग्रुप छोड़ने का ऐलान किया है।

रजिस्ट्री का लक्ष्य पूरा न होने पर एक्शन

जानकारी के अनुसार, स्वामित्व योजना के तहत प्रदेश में एक महीने में 50 लाख जमीनों की रजिस्ट्री का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। हालांकि, शुरुआती 20 दिनों में एक भी रजिस्ट्री न होने के बाद प्रशासन ने प्रोबेशन पर काम कर रहे पटवारियों पर यह कड़ा कदम उठाया। पटवारी संघ के

इन 7 जिलों में गिरी गाज: प्रशासनिक कार्रवाई के तहत उज्जैन, शाजापुर, रतलाम और मंदसौर में 4-4, आगर मालवा में 5 तथा देवास और नीमच में 3-

प्रदेशाध्यक्ष उपेंद्र बघेल ने कार्रवाई को अनुचित बताते हुए कहा कि पटवारी सामूहिक अवकाश पर रहकर देवास कलेक्टर कार्यालय के सामने धरना-प्रदर्शन करेंगे। इसके साथ ही विरोध स्वरूप पटवारियों ने शासकीय व्हाट्सएप ग्रुप से भी खुद को अलग कर लिया है।

3 प्रोबेशनर पटवारियों की सेवाएं समाप्त की गई हैं। इसके अलावा राजधानी भोपाल में भी 3 पटवारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

एमएस में पर्ची आज की, एमआरई जांच में 1 साल की और सीटी में 6 माह की वेटिंग

भोपाल। दोपहर मेट्रो

एमएस भोपाल में न सिर्फ मध्यप्रदेश, बल्कि छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तर प्रदेश से भी लोग बेहतर इलाज की उम्मीद लेकर आते हैं। दूर-दराज से किराया लगाकर आए इन मरीजों को डॉक्टर तो देख लेता है, लेकिन जांच के लिए एक साल तक का इंतजार करना पड़ रहा है। कड़्यों की जेब में जांच की पर्ची है, पर तारीख 2027 की लिखी है। यहां मरीजों की बढ़ती भीड़ के कारण जांच और डायलिसिस सुविधाओं पर भारी दबाव है। हालत यह है कि एमआरआई के लिए मरीजों को एक साल बाद की तारीख मिल रही है, तो सीटी स्कैन के लिए 8 से 9 महीने इंतजार करना पड़ रहा है। डायलिसिस में भी रोज 20 मरीज पहुंच रहे हैं, लेकिन चार मशीन होने से सिर्फ 8 का ही डायलिसिस हो पा रहा है।

संस्थान में वर्तमान में 1.5 टेस्ला की एक एमआरआई मशीन से रोजाना 33 मरीजों की ही जांच हो पा रही है। इसी तरह 128 स्लाइस की दो सीटी स्कैन मशीनें 24 घंटे चलने के बावजूद रोज 88 मरीजों की ही जांच कर पा रही हैं। एमएस में जांच के लिए काउंटर पर लगी पर्चियों की जांच की तो पता चला कि एक मरीज को एमआरआई के लिए 26 अक्टूबर 2027 की तारीख दी गई है। मरीज सीमा गुप्ता को एमआरआई के लिए मार्च 2027, सरोज प्रजापति को 13 जुलाई 2027 की डेट मिली है। सीटी स्कैन के लिए मरीज श्यामा नापित को 26 मार्च 2027 और एक अन्य मरीज को 13 सितंबर 2027 की तारीख दी गई है। सोनोग्राफी के लिए मरीज अश्विन टिक्का को जनवरी 2027 तक का इंतजार करना पड़ रहा है।

मेट्रो एंकर एसआईआर में छूटे नाम जोड़ने भोपाल में 2 दिन शिविर

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल के कुल 3.88 लाख नामों की जांच करने के लिए बृथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) मैदान में उतरे हैं। वहीं, 8 और 9 अक्टूबर को दो दिन विशेष शिविर भी लगाए जा रहे हैं। ये नाम स्पेशल इंटेसिव रिवीजन (स्ट्रक्चर) में कटे थे। करीब 11 महीने पहले एसआईआर को लेकर कवायद हुई थी। पहले भोपाल में कुल 21 लाख 25 हजार 908 वोटर्स थे। एसआईआर के बाद यह संख्या 16.87 लाख रह गई। इनमें अनुपस्थित 1 लाख 1503 और परमानेंट शिफ्टेड 2 लाख 86 हजार 661 मतदाता भी शामिल हैं। इन्हीं की जांच करने के लिए भोपाल की सभी 7 विधानसभा- बैरसिया, हुन्नूर, भोपाल उत्तर, भोपाल मध्य, दक्षिण-परिचम, गोविंदपुरा और नरेला में शिविर लग रहे हैं। 7 अक्टूबर को इन शिविरों में कई लोग पहुंचे। गुरुवार और शुक्रवार को भी लोग शिविर में शामिल हो सकते हैं।



जांच में मिले तो दोबारा नाम जुड़ेंगे

ये वे नाम हैं जिनके दो जगह नाम हैं और जिनकी मृत्यु हो चुकी है, लेकिन वोटर लिस्ट में उनके नाम थे। पलायन और पते पर न मिलने वाले नाम जुड़ेंगे सूची से बाहर हुए ऐसे मतदाता जो स्थायी रूप से स्थानांतरित (परमानेंट शिफ्टेड) हो गए हैं लेकिन निवासी यहीं के हैं और वोट डालते हैं, और जो लोग पते पर नहीं मिले थे, उनके नाम अब दोबारा जोड़े जाएंगे।

युवाओं के लिए डिवेलेशन अब जरूरी नहीं

1 जनवरी 2027 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवाओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिए एडवांस में फॉर्म-6 भरवाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। इसके लिए डिवेलेशन की अनिवार्यता को समाप्त कर दिया गया है।

एसएसडीआर सूचियों की कड़ाई से समीक्षा

अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और दोहरा गए डेटा का पुनरीक्षण किया जा रहा है। ताकि, यह सुनिश्चित हो सके कि कोई भी वास्तविक और पात्र नागरिक अपने मताधिकार से वंचित न रहे।

पारदर्शिता और विशेष शिविर

बीएलओ द्वारा तैयार सूचियों को मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बीएलए के साथ साझा किया जाएगा। इसके अलावा, नामांकन प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए नाइट शैल्टर, मजदूर बस्तियां, बेघर लोगों के लिए विशेष कैंप आयोजित हो रहे हैं।

एक्स-गर्लफ्रेंड पर गोली चलाने से पहले डॉक्टर ने देखी ‘दृश्यम-3’ फिर श्वेता के पलैट पहुंचा... फायरिंग कर दी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल में एक्स गर्लफ्रेंड डॉक्टर श्वेता ठाकुर पर फायरिंग करने वाले पीजी डॉक्टर नवीन रोहिला की वारदात से पहले की गतिविधियां सामने आई हैं। पुलिस जांच के मुताबिक, घटना से कुछ घंटे पहले नवीन दोस्तों के साथ ‘दृश्यम-3’ फिल्म देखने गया था। रात करीब 9:30 बजे घर लौटने के बाद उसने मां से वीडियो कॉल पर बात की। इससे पहले वह अपनी भतीजी के लिए टॉय कार राजगढ़ क्रूरियर कर चुका था। परिवार से बातचीत के कुछ देर बाद नवीन श्वेता के पलैट पर पहुंचा। यहां दोनों के बीच विवाद हुआ और उसने श्वेता पर तीन राउंड फायर कर दिए। गोली श्वेता की कनपटी को

छूकर निकल गई। बीच-बचाव के दौरान उसके कजिन अभिषेक ठाकुर को भी गोली लगी। फायरिंग के बाद नवीन ने फांसी लगाकर आत्महत्या की कोशिश की। वह भी घायल हुआ है। उसके सीने, हाथ और पेट पर छर्रे लगने जैसे घाव मिले हैं। अस्पताल में उसका सीटी स्कैन कराया जा रहा है। नवीन मूल रूप से राजगढ़ का रहने वाला है और करीब सात साल से भोपाल में रहकर आरेडीएफ मेडिकल कॉलेज से पढ़ाई कर रहा था। इसी दौरान उसकी मुलाकात श्वेता से हुई थी। दोनों करीब सात साल से रिलेशनशिप में थे। नवीन ने इसी कॉलेज से बीएचएमएस किया और फिलहाल पीजी सेकंड ईयर की पढ़ाई कर रहा था।

उज्जैन ने दिया पुनः उपयोग का संदेश पांच लाख दीयों से सजाए गए भव्य नंदी, सीएम ने की सराहना

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित ‘आशीर्वाद का दीया’ कार्यक्रम में उपयोग किए गए दीयों को कचरा बनने से बचाकर उज्जैन नगर निगम ने उनके रचनात्मक पुनः उपयोग की मिसाल पेश की है। दीपोत्सव के बाद बचे करीब पांच लाख से अधिक दीयों से नंदी की भव्य और आकर्षक आकृति तैयार की गई है। हेलीपैड परिसर में स्थापित यह विशाल आकृति पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ संसाधनों के बेहतर उपयोग का संदेश दे रही है।

कचरा बनने से बचाए लाखों दीये

दीपोत्सव के दौरान बड़ी संख्या में दीयों का उपयोग किया गया था। कार्यक्रम के बाद इन दीयों को अनुपयोगी मानकर फेंकने के बजाय नगर निगम ने इनके पुनः उपयोग की योजना तैयार की। इसी पहल के तहत पांच लाख से अधिक दीयों को व्यवस्थित तरीके से सजाकर नंदी की आकर्षक आकृति तैयार की गई। इससे दीयों का उपयोग दोबारा हुआ और उन्हें कचरे में जाने से भी बचाया गया।

तीन सूत्रों का दिया संदेश

नंदी की यह आकृति पर्यावरण संरक्षण के तीन महत्वपूर्ण सूत्रों—कम उपयोग, पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण—का संदेश दे रही है। नगर निगम की यह पहल यह भी दर्शाती है कि बड़े आयोजनों से निकलने वाली सामग्री को रचनात्मक सोच के साथ दोबारा उपयोग में लाया जा सकता है। इससे स्वच्छता के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलता है।



निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सात जिलों में औचक निरीक्षण

भोपाल। लोक निर्माण विभाग के मंत्री राकेश सिंह एवं प्रमुख सचिव श्री सुखवीर सिंह के निर्देशानुसार निर्माण कार्यों की गुणवत्ता में सुधार के लिए तैयार कार्ययोजना के अंतर्गत 05 अक्टूबर 2026 को प्रदेश के सात जिलों में औचक निरीक्षण किया गया। मुख्य अभियंताओं के साथ दलों ने सीहोर, मंडला, सुरेना, धार, सतना, उज्जैन एवं छतरपुर जिलों में यादृच्छिक आधार पर चयनित कुल 35 निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इनमें लोक निर्माण विभाग के सड़क एवं पुल संबंधी 21 कार्य, परियोजना क्रियान्वयन इकाई (पीआईयू) के 04 भवन कार्य, मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के 06 कार्य, मध्यप्रदेश भवन विकास निगम के 03 कार्य तथा राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) का 01 कार्य शामिल था। निरीक्षण दलों से प्राप्त प्रतिवेदनों की समीक्षा के लिए मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के प्रबंध संचालक भरत यादव की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित की गई।

छतरपुर में कार्रवाई का अजब-गजब मामला

रविवार को बंद स्कूल का किया निरीक्षण, 68 शिक्षकों को नोटिस जारी कर मांगा जवाब



छतरपुर, दोपहर मेट्रो

जिले में शिक्षा विभाग की अजब-गजब कार्रवाई का मामला समाने आया है। रविवार को अवकाश के दिन बंद स्कूल का अधिकारियों ने निरीक्षण कर लिया और 68 शिक्षकों को अनुपस्थित बताते हुए नोटिस भी जारी कर दिए गए। हालांकि डीईओ ने सफाई देते हुए बताया है कि निरीक्षण शनिवार 3 अक्टूबर को किया गया था, लेकिन आदेश में गलती से 4 अक्टूबर टाइप हो गया है। जिला शिक्षा विभाग से जारी नोटिस के अनुसार बड़मलहरा के शासकीय सदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में रविवार 4 अक्टूबर को भोपाल से पहुंची विशेष टीम और विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने दोपहर 3:00 बजे निरीक्षण किया। इस दौरान स्कूल का मुख्य गेट बंद मिला और सुरक्षा गार्ड भी मौके पर मौजूद नहीं था। निरीक्षण में मिली स्थिति के आधार पर विभाग ने नोटिस जारी कर प्रभारी प्राचार्य

कर्मचारियों ने निरीक्षण आदेश और रविवार की ड्यूटी से संबंधित दस्तावेज मांगे

कर्मचारियों ने निरीक्षण आदेश और रविवार की ड्यूटी से संबंधित दस्तावेज सार्वजनिक करने की मांग की है। एक साथ 68 शिक्षकों को नोटिस दिए जाने से मामला चर्चा में है। कर्मचारियों ने निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि संबंधित दस्तावेज सामने आने के बाद ही कार्रवाई की वास्तविक स्थिति स्पष्ट होगी।

सहित 68 शिक्षकों से स्पष्टीकरण मांगा है। कार्रवाई के बाद कर्मचारियों के बीच रविवार की ड्यूटी व्यवस्था को लेकर मामला गरमाया रहा। कर्मचारियों का कहना है कि 4 अक्टूबर रविवार था। ऐसे में विद्यालय खोलने, शिक्षकों की उपस्थिति और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जारी आदेश स्पष्ट किया जाना चाहिए।

डीईओ ने कहा, हुई लिपिकीय त्रुटि

वही मामले में डीईओ पीके रैकवार ने बताया कि यह आदेश रविवार को टाइप कराया गया था, इसलिए लिपिकीय त्रुटि से 3 अक्टूबर के स्थान पर 4 अक्टूबर लेख हो गया था, इसे सही कराया गया है।

पर्यटन से बदलेगी मध्यप्रदेश की तस्वीर, सीएम मोहन यादव बोले-

पर्यटन अब सिर्फ घूमना नहीं, यह है रोजगार निवेश और आर्थिक विकास का बड़ा माध्यम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने और प्रदेश को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर और मजबूत पहचान दिलाने की दिशा में बुधवार को बड़ा कदम उठाया गया। कृशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में ‘मध्यप्रदेश ट्रेवल मार्ट 2026’ के सातवें संस्करण का भव्य शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक देश की अर्थव्यवस्था को 3 ट्रिलियन तक ले जाने का लक्ष्य रखा है और इसमें पर्यटन की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीन मंत्र-‘देखो अपना देश’, ‘वोकल फॉर लोकल’ और ‘ट्रिपल टी यानी टेक्नोलॉजी, ट्रेड और टूरिज्म’-ने देश के पर्यटन को नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि पर्यटन अब केवल घूमने और प्राकृतिक सौंदर्य देखने तक सीमित नहीं है। यह कला-संस्कृति के प्रचार, रोजगार, निवेश और आर्थिक विकास का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका है।

उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि देश-दुनिया में घूमने के लिए अनेक स्थान हैं, लेकिन जब भी पर्यटन की योजना बनाएं, तो सबसे पहले अपने मध्यप्रदेश को चुनें। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश पर्यटन के क्षेत्र में लगातार नए रिकॉर्ड बना रहा है। वर्ष 2025 में प्रदेश में 21 करोड़ से अधिक पर्यटकों का आगमन हुआ, जो वर्ष 2024 की तुलना में करीब 57 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक और वन्यजीव पर्यटन अब मध्यप्रदेश की पहचान बन चुके हैं। प्रदेश के 12 राष्ट्रीय उद्यान और 9 टाइगर रिजर्व जैव विविधता का बड़ा खजाना हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2022 में चीता पुनर्स्थापना के बाद प्रदेश में वन पर्यटन को भी नई गति मिली है। शुरुआत में 20 चीते लाए गए थे और अब इनकी संख्या बढ़कर 60 हो गई है।



पर्यटन में बढ़ रहा एक्सपीरियंस और वेलनेस का ट्रेंड

डॉ. यादव ने कहा कि आज पर्यटन का मतलब केवल नई जगह देखना नहीं, बल्कि अनुभव हासिल करना और मानसिक सुकून पाना भी है। ट्रेकिंग और एडवेंचर टूरिज्म के साथ अब वेलनेस और रिपरिचुअल टूरिज्म का चलन तेजी से बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश की प्राकृतिक सुंदरता, धार्मिक स्थल, वन्यजीव और सांस्कृतिक विरासत इसे इन सभी क्षेत्रों के लिए उपयुक्त बनाते हैं।

पर्यटन बाजार में मजबूत होगी एमपी की पहचान

संस्कृति, पर्यटन एवं धार्मिक न्यास राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में मध्यप्रदेश पर्यटन के क्षेत्र में लगातार नई ऊंचाइयां हासिल कर रहा है। उन्होंने कहा कि ट्रेवल मार्ट पर्यटन क्षेत्र से जुड़े विभिन्न हितधारकों को एक मंच पर लाने के साथ नए निवेश और पर्यटन अवसरों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने कहा कि ‘इंटीग्रेट, इनोवेट और इंस्पायर’ के संकल्प के साथ प्रदेश पर्यटन के नए दौर में प्रवेश कर रहा है। फिक्की मध्यप्रदेश एवं आईटो के चेयरमैन महेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि प्रदेश के पर्यटन का भविष्य ‘एक्सपीरियेंस टूरिज्म’ में है, जहां पर्यटक संस्कृति, कला, खान-पान, शिल्प और ग्रामीण जीवन को करीब से महसूस कर सकेंगे।

ओरछा और पन्ना में नए टूरिज्म प्रोजेक्ट को मंजूरी

मुख्यमंत्री की मौजूदगी में पर्यटन परियोजनाओं के लिए लेटर ऑफ अवार्ड भी प्रदान किए गए। ओरछा में 50 करोड़ रुपये के प्रस्तावित निवेश से रिसॉर्ट और पन्ना में 10 करोड़ रुपये के निवेश से हेरिटेज होटल परियोजना स्थापित करने के लिए एलओए दिए गए एमपी टूरिज्म की बहुभाषी वेबसाइट के साथ डिजिटल ‘एमपी ट्रेवल हैंडबुक’ का भी लोकार्पण किया गया। इसमें हिंदी और अंग्रेजी के साथ जर्मन, स्पेनिश, फ्रेंच और जापानी भाषाओं को शामिल किया गया है। डिजिटल हैंडबुक में 360 डिग्री व्यू, एआई स्टोरीटेलिंग, वर्चुअल रियलिटी लिंक और ऑडियो नरेशन जैसी सुविधाएं होंगी।

मिशन कर्मयोगी को रफ्तार

सभी सरकारी कर्मचारियों को हर माह एक घंटे का प्रशिक्षण हुआ अनिवार्य

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में शासकीय सेवकों के कौशल विकास और प्रशासनिक कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए मिशन कर्मयोगी के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया जा रहा है। सामान्य प्रशासन विभाग ने कलेक्टर, संभागाध्यक्ष और सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश जारी कर प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के लिए व्यापक स्तर पर प्रयास करने को कहा है। विभाग का उद्देश्य मध्यप्रदेश को अखिल भारतीय स्तर पर प्रशिक्षण के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन की दिशा में आगे ले जाना है।

हर माह कम से कम एक घंटे का प्रशिक्षण

सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए हैं कि उनके विभाग में पंजीकृत प्रत्येक लोकसेवक हर माह कम से कम एक घंटे का प्रशिक्षण पूरा करें। इसके लिए कर्मचारियों को प्रेरित और प्रोत्साहित करने की जिम्मेदारी विभागीय नोडल अधिकारियों को दी गई है। अधिकारियों से कहा गया है कि प्रशिक्षण को केवल औपचारिकता न मानते हुए इसे नियमित कार्यप्रणाली का हिस्सा बनाने के लिए आवश्यक प्रयास किए जाएं।

विभाग अपने क्षेत्र के अनुसार तैयार करेंगे पाठ्यक्रम

निर्देशों के अनुसार प्रत्येक विभाग अपने कार्यक्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों और क्षेत्रों की पहचान करेगा। इन विषयों की सूची तैयार कर प्रत्येक क्षेत्र के लिए संबंधित विषय विशेषज्ञ का नामांकन किया जाएगा। नामांकित विशेषज्ञों की जानकारी मिशन कर्मयोगी के नोडल अधिकारी डॉ. पंकज कुमार राय, प्राध्यापक (व्यवहार विज्ञान), आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी, भोपाल को भेजी जाएगी। इन विषय विशेषज्ञों की मदद से अलग-अलग विभागों की जरूरत के अनुसार विशेष प्रशिक्षण पाठ्यक्रम तैयार और विकसित किए जाएंगे। इससे कर्मचारियों को उनके कार्यक्षेत्र से जुड़े विषयों पर उपयोगी और व्यावहारिक प्रशिक्षण मिल सकेगा। विभागों में पंजीकृत प्रशिक्षणार्थियों की सक्रियता की भी समीक्षा की जाएगी। विभागीय प्रशिक्षण अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे पंजीकृत कर्मचारियों में निष्क्रिय कर्मचारियों की पहचान करें और उन्हें दोबारा प्रशिक्षण से जोड़ने के लिए आवश्यक कार्रवाई करें।

9.57 लाख से अधिक लोकसेवक पंजीकृत

वर्तमान में मध्यप्रदेश में कुल 9 लाख 57 हजार 38 लोकसेवक मिशन कर्मयोगी के प्रशिक्षण मंच पर पंजीकृत हैं। सामान्य प्रशासन विभाग का जोर अब इन सभी कर्मचारियों की नियमित प्रशिक्षण गतिविधियों में भागीदारी बढ़ाने पर है। विभाग ने निर्देश दिए हैं कि प्रशिक्षण की प्रगति की नियमित समीक्षा अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव और संबंधित विभागाध्यक्षों द्वारा समय-समय की बैठकों में की जाए। इन बैठकों में विभागीय प्रशिक्षण अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए जाएंगे, ताकि प्रशिक्षण की गति बनी रहे और अधिक से अधिक लोकसेवक नियमित रूप से प्रशिक्षण पूरा करें।

राजधानी में 88 फीसदी एलपीजी उपभोक्ताओं ने कराया ई-केवायसी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

जिले में एलपीजी उपभोक्ताओं की ई-केवायसी प्रक्रिया को लेकर बड़ी प्रगति हुई है। अब तक 88 प्रतिशत उपभोक्ता ई-केवायसी पूरी कर चुके हैं। जिन उपभोक्ताओं ने 1 अक्टूबर 2026 तक ई-केवायसी नहीं कराई है, उनकी गैस रिफिल बुकिंग सुविधा पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के निर्देशानुसार अस्थायी रूप से बंद कर दी गई है। हालांकि, ई-केवायसी पूरी करते ही रिफिल बुकिंग की सुविधा दोबारा शुरू हो जाएगी। ई-केवायसी को लेकर उपभोक्ताओं को पर्याप्त समय देने के लिए पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की ओर से पिछले छह महीनों में छह बार समय-समया बढ़ाई गई।

घर बैठे भी ई-केवायसी

उपभोक्ताओं को ई-केवायसी के लिए गैस एजेंसी जाने की आवश्यकता नहीं है। वे संबंधित गैस कंपनी के मोबाइल अनुप्रयोग के माध्यम से घर बैठे यह प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। इसके अलावा नजदीकी गैस एजेंसी पर जाकर भी ई-केवायसी कराई जा सकती है। प्रक्रिया पूरी होने के बाद बंद की गई रिफिल बुकिंग सुविधा फिर से शुरू हो सकेगी।

इसके बावजूद जिन उपभोक्ताओं ने निर्धारित अवधि तक प्रक्रिया पूरी नहीं की, उनकी रिफिल बुकिंग पर अस्थायी रोक लगाई गई है। प्रशासन ने ऐसे उपभोक्ताओं से जल्द से जल्द ई-केवायसी कराने की अपील की है।

मेट्रो एंकर

भोपाल में ‘अंतर्राष्ट्रीय श्रीरामलीला उत्सव’ 12 अक्टूबर से

अनेक कला-विधाओं का प्रदर्शन, विदेशी कलाकार भी होंगे शामिल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल के रविंद्र भवन में 12 अक्टूबर से अंतर्राष्ट्रीय श्रीराम लीला उत्सव शुरू होगा, जो 7 दिन यानी, 18 अक्टूबर तक चलेगा। इसमें 10 से ज्यादा कला और विधाओं में प्रसंग होंगे। विदेशी विद्वान और कलाकार भी इसमें शामिल होंगे। श्रीरामचंद्र पथ गमन न्यास, संस्कृति विभाग यह आयोजन संगीत नाटक अकादमी नई दिल्ली के सहयोग से कर रहा है। उत्सव श्रीरामकथा के विविध प्रसंगों को बहु कलाओं के माध्यम से प्रदर्शित किए जाने का प्रयास है। साथ ही श्रीरामलीला उत्सव का आयोजन 11 से 13 अक्टूबर तक श्रीराम राजा मंदिर परिसर ओरछा और 13 से 19 अक्टूबर तक राघव प्रयाग घाट चित्रकूट में भी होगा। संस्कृति मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय श्रीरामलीला



उत्सव इस वर्ष न सिर्फ लीला प्रदर्शन तक सीमित रहेगा, बल्कि विविध कला विधाओं के माध्यम से श्रीरामकथा प्रसंगों को प्रदर्शित करेगा। इसमें लीला प्रदर्शन के साथ ही बौद्धिक सत्र, स्टोरी टेलिंग सेशन, प्रदर्शिनियां, कला शिविर, कला कार्यशाला, कठपुतली प्रदर्शन, भजन जैमिंग केन्द्रित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

इस प्रतिष्ठित उत्सव में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र नई दिल्ली, दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र नागपुर एवं भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद नई दिल्ली का भी सहयोग प्राप्त हो रहा है। उन्होंने बताया कि भोपाल में उत्सव का शुभारंभ 12 अक्टूबर को शाम 7 बजे मुक्ताकाश

सात दिन, सात से अधिक नृत्य शैलियों में रामकथा

सात दिवसीय श्रीरामलीला उत्सव में प्रतिदिन अलग-अलग नृत्य शैलियों के माध्यम से श्रीरामकथा के विविध प्रसंग प्रस्तुत किए जाएंगे। देश-विदेश के 100 से अधिक कलाकार इस आयोजन में शामिल होंगे। प्रस्तुतियां होंगी। इनमें श्रीराम जन्म, सीता स्वयंवर, श्रीराम

राम जन्म से लेकर श्रीराम राज्याभिषेक तक की कथा को मंच पर जीवंत किया जाएगा। उत्सव में मणिपुरी, सत्रिया, कथक, कुटियाट्टम, यक्षगान, ओडिसी, छऊ और भरतनाट्यम सहित सात से अधिक नृत्य शैलियों की प्रस्तुतियां होंगी। इनमें श्रीराम

वनवास, सीता हरण, लंका दहन, श्रीराम-रावण युद्ध और राज्याभिषेक जैसे प्रसंग शामिल हैं। थाईलैंड की खोन नृत्य शैली और रूस के कलाकार भी विशेष प्रस्तुति देंगे। आयोजन के दौरान भजन, नाटक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

मंच रविंद्र भवन में होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मौजूद रहेंगे। प्रबुद्ध विचारक डॉ. इंद्रेश कुमार, संस्कृति मंत्री लोधी एवं संगीत नाटक अकादमी नई दिल्ली की अध्यक्ष डॉ. संध्या पुरेचा भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगी। श्रीरामचंद्र पथ गमन न्यास के सीईओ एनपी नामदेव ने बताया, सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम

से नई पीढ़ी को अपनी जड़ों और गौरवशाली परंपराओं से जोड़ते हुए उनमें निहित मूल्यों का आत्मसात कराया जा सकता है। यह लोकव्यापीकरण हमारी अस्थिरता को आरक्षण को केवल वर्तमान पीढ़ी तक सीमित रखने के बजाय उसे भावी पीढ़ियों तक जीवंत रूप में पहुंचाने का माध्यम बनेगा।

भारत में मुख्य चुनाव आयुक्त का पद संविधान के साथ ही अस्तित्व में आ गया था। अधिकार भी थे, जिम्मेदारियां भी और संवैधानिक गरिमा भी। लेकिन लंबे समय तक यह पद आम मतदाता की राजनीतिक बातचीत का हिस्सा नहीं बना। चुनाव होते रहे, सरकारें बदलती रहीं, मगर चुनाव आयोग शायद ही कभी इतनी बड़ी सार्वजनिक बहस का केंद्र बना। फिर टीएन शेषन आए। 12 दिसंबर 1990 को मुख्य चुनाव आयुक्त बने शेषन ने चुनाव आयोग की भूमिका का सार्वजनिक अर्थ बदल दिया। बृथ कैप्चरिंग, हिंसा, फर्जी मतदान और धनबल जैसी चुनौतियों के

बीच उन्होंने यह संदेश दिया कि चुनावी मैदान में राजनीतिक दल ही अंतिम ताकत नहीं हैं। आचार संहिता का कठोर पालन, चुनाव पर्यवेक्षकों की सक्रिय भूमिका, चुनावी खर्च और सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग पर निगरानी जैसे कदमों ने आयोग की संवैधानिक शक्ति को जमीन पर दिखाई देने वाली शक्ति बनाया। शेषन की विरासत सिर्फ सख्ती की नहीं थी। उन्होंने आम मतदाता को यह भरोसा दिया कि चुनावी नियम केवल किताबों में लिखे शब्द नहीं हैं, उनका उल्लंघन होने पर कार्रवाई भी हो सकती है। करीब तीन

भरोसे की कसौटी

दशक बाद मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के कार्यकाल में चुनाव स्वरूप बदल गया है। विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर, मतदाता सूचियों में संशोधन, नए मतदाताओं से जुड़ी प्रक्रियाएं और आयोग की निर्णय प्रक्रिया ने बहस को चुनावी अनुशासन से आगे बढ़ाकर पारदर्शिता और संस्थागत भरोसे तक पहुंचा दिया है। एक रिपोर्ट में चुनाव आयुक्तों के बीच कुछ निर्णयों को लेकर लिखित आपत्तियों का उल्लेख हुआ है। आयोग ने इन मतभेदों को

निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा बताते हुए कहा है कि उसके फैसले सर्वसम्मति से लिए गए। इसलिए इन आपत्तियों को अंतिम निष्कर्ष के बजाय संस्थागत बहस के रूप में देखना अधिक उचित होगा। यहीं शेषन और वर्तमान दौर के बीच बदलता सवाल दिखाई देता है। तब पूछा जाता था- चुनाव आयोग कितना ताकतवर हो सकता है? आज सवाल है- उस ताकत का इस्तेमाल किस प्रक्रिया से हो रहा है और उस पर भरोसा कैसे कायम रहेगा? लोकतंत्र में मजबूत चुनाव आयोग जरूरी है, लेकिन उसकी मजबूती केवल अधिकारों से नहीं, पारदर्शी प्रक्रिया और सार्वजनिक विश्वास से तय होती है।

तेल की कीमतें और भारत में बढ़ती महंगाई, आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था जरूरी

डॉ. सत्यवान सौरभ

स्तंभकार



महंगाई केवल बाजार में वस्तुओं की कीमत बढ़ने का नाम नहीं है, बल्कि इसके पीछे कई घरेलू और वैश्विक कारण काम करते हैं। जब किसी देश में विदेशों से आयात की जाने वाली वस्तुओं या कच्चे माल की कीमत बढ़ती है और उसका असर घरेलू बाजार की कीमतों पर पड़ता है, तो इसे आयातित महंगाई कहा जाता है। भारत जैसे देश के लिए यह चुनौती अधिक गंभीर है, क्योंकि हमारी अर्थव्यवस्था ऊर्जा की आवश्यकताओं के लिए काफी हद तक आयातित कच्चे तेल पर निर्भर है। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में होने वाला उतार-चढ़ाव इसलिए केवल पेट्रोल और डीजल की कीमतों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका असर परिवहन, उद्योग, कृषि, खाद्य पदार्थों और अंततः आम आदमी की जेब तक पहुँचता है।

भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरत का 85 प्रतिशत से अधिक हिस्सा आयात करता है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमत बढ़ना भारत के लिए सीधे तौर पर महँगे आयात का संकेत है। जब वैश्विक स्तर पर युद्ध, भू-राजनीतिक तनाव, तेल उत्पादक देशों द्वारा उत्पादन में कटौती, आपूर्ति बाधित होने या माँग बढ़ने जैसे कारणों से कच्चे तेल की कीमत अचानक बढ़ती है, तो भारत को उसी तेल के लिए अधिक विदेशी मुद्रा खर्च करनी पड़ती है। यही वह पहला बिंदु है जहाँ से आयातित महँगाई का रवाव शुरू होता है।

तेल की कीमत बढ़ने का सबसे प्रत्यक्ष प्रभाव ईंधन की लागत पर पड़ता है। पेट्रोल और डीजल महँगे होने पर परिवहन लागत बढ़ जाती है। भारत में सड़क परिवहन व्यापार और आपूर्ति-श्रृंखला की रीढ़ है। खेत से मंडी, मंडी से थोक बाजार और वहाँ से दुकानों तक पहुँचने वाली अधिकांश वस्तुओं के परिवहन में ईंधन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसलिए डीजल महँगा होते ही माल ढुलाई का खर्च बढ़ सकता है। परिवहन कंपनियाँ बढ़ी हुई लागत को भाड़े में शामिल करती हैं और अंततः उसका भार उपभोक्ता तक पहुँचता है।

तेल का प्रभाव केवल परिवहन तक सीमित नहीं है। अर्थव्यवस्था के अनेक उद्योग ऊर्जा पर निर्भर हैं। सीमेंट, इस्पात, रसायन, उर्वरक और अन्य ऊर्जा-गहन उद्योगों की उत्पादन लागत में ईंधन और ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उत्पादन लागत बढ़ती है। उद्योग अपनी लागत को नियंत्रित करने के लिए उत्पादों की कीमत बढ़ा सकते हैं। इस प्रकार तेल का शुरुआती झटका धीरे-धीरे अर्थव्यवस्था के अलग-अलग क्षेत्रों में फैलने लगता है।

इसका असर खाद्य महँगाई पर भी दिखाई दे सकता है। किसान के लिए डीजल सिंचाई, कृषि मशीनरी और परिवहन में उपयोगी है। कृषि उपज को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचाने के लिए भी ईंधन की जरूरत होती है। यदि परिवहन और कृषि संबंधी लागत बढ़ती है, तो सब्जियों, फलों, अनाज और अन्य खाद्य वस्तुओं की कीमतों पर प्रभाव बन सकता है। यही कारण है कि अंतरराष्ट्रीय तेल



बाजार में आया एक झटका घरेलू रसोई तक पहुँच सकता है। इस पूरी प्रक्रिया में रुपये की विनिमय दर भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल का कारोबार सामान्यतः अमेरिकी डॉलर में होता है। यदि एक ओर तेल की वैश्विक कीमत बढ़ रही हो और दूसरी ओर रुपया डॉलर के मुकाबले कमजोर हो जाए, तो भारतीय आयातकों के लिए कच्चा तेल और महँगा पड़ता है। यानी भारत को एक ही मात्रा के तेल के लिए अधिक रुपये खर्च करने पड़ेंगे। इससे आयातित महँगाई का दबाव और बढ़ सकता है।

तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि महँगाई की अपेक्षाओं को भी प्रभावित करती है। जब लोगों और कारोबारियों को लगता है कि ईंधन महँगा होने के कारण आगे भी लागत बढ़ेगी, तो वे पहले से ही अपनी कीमतों में वृद्धि करने लगते हैं। मजदूरी, माल ढुलाई, सेवाओं और अन्य वस्तुओं की कीमतों पर इसका व्यापक प्रभाव पड़ सकता है। इस तरह शुरुआती तेल झटका व्यापक महँगाई में बदलने की क्षमता रखता है। भारतीय रिजर्व बैंक के आकलनों में भी कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि का मुद्रास्फीति पर स्पष्ट प्रभाव

माना गया है; अक्सर उद्धृत अनुमान के अनुसार कच्चे तेल की कीमत में 10 प्रतिशत वृद्धि से उपभोक्ता मूल्य आधारित महँगाई पर लगभग 20 आधार अंकों का दबाव पड़ सकता है, हालाँकि वास्तविक प्रभाव परिस्थितियों के अनुसार बदलता है। ऐसे समय में सरकार और केंद्रीय बैंक के सामने संतुलन की चुनौती होती है। यदि ईंधन पर करों में बहुत अधिक वृद्धि की जाए तो उपभोक्ता पर अतिरिक्त बोझ पड़

सकता है, जबकि अत्यधिक कर कटौती से सरकार के राजस्व पर दबाव आ सकता है। इसलिए असाधारण वैश्विक तेल झटकों के समय संतुलित और समयबद्ध कर नीति आवश्यक है। इसी प्रकार मौद्रिक नीति के स्तर पर महँगाई की दूसरी लहर को रोकना जरूरी है, लेकिन अत्यधिक कठोर कदम आर्थिक विकास को प्रभावित कर सकते हैं।

भारत के लिए कच्चा तेल केवल ऊर्जा का स्रोत नहीं, बल्कि आर्थिक स्थिरता से जुड़ा महत्वपूर्ण प्रश्न है। वैश्विक बाजार में तेल की कीमत हमारे नियंत्रण में नहीं है, लेकिन उस कीमत का हमारी अर्थव्यवस्था पर कितना असर होगा, यह काफी हद तक हमारी नीतियों और तैयारी पर निर्भर करता है। आयातित महँगाई को पूरी तरह समाप्त करना संभव नहीं, पर उसके प्रभाव को कम जरूर किया जा सकता है।

तेल की कीमतों का हर झटका हमें यही संदेश देता है कि ऊर्जा सुरक्षा ही आर्थिक सुरक्षा का महत्वपूर्ण आधार है। जब तक भारत अपनी आयात निर्भरता को कम नहीं करता, तब तक वैश्विक तेल बाजार की हलचल भारतीय बाजार और आम उपभोक्ता की जेब को प्रभावित करती रहेगी। इसलिए आज आवश्यकता केवल महँगाई से लड़ने की नहीं, बल्कि ऐसी अर्थव्यवस्था बनाने की है जो बाहरी कीमतों के झटकों के सामने अधिक मजबूत, आत्मनिर्भर और टिकाऊ हो।

—यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

चलते समय पैरों या पैर के अंगूठे में दर्द होना कई कारणों से हो सकता है। ज्यादा चलने, गलत जूते पहनने, मांसपेशियों में खिंचाव, चोट या हड्डियों-जोड़ों की समस्या के कारण भी पैरों में दर्द हो सकता है। हालाँकि, अगर दर्द के साथ किसी जोड़ में अचानक तेज दर्द, सूजन, लालिमा और गर्माहट महसूस हो, तो बढ़े हुए यूरिक एसिड से होने वाले गठिया की संभावना पर भी ध्यान देना चाहिए।

गठिया को चिकित्सकीय भाषा में गाउट कहा जाता है। शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा लंबे समय तक अधिक रहने पर इसके छोटे-छोटे क्रिस्टल जोड़ों के आसपास जमा हो सकते हैं। इन क्रिस्टल के कारण शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली सक्रिय होती है और जोड़ में तेज सूजन पैदा हो सकती है। इसका असर खासतौर पर

पैर के अंगूठे के जोड़ पर देखा जाता है।

गाउट का दर्द सामान्य पैरों के दर्द से अलग हो सकता है। यह अचानक शुरू हो सकता है और इतना तेज हो सकता है कि चलना भी मुश्किल हो जाए। प्रभावित जोड़ लाल और गर्म दिखाई दे सकता है। कई बार हल्का स्पर्श या जूते का दबाव भी बहुत दर्दनाक लगता है। कुछ लोगों में दर्द रात के समय अचानक बढ़ता है और नींद खुल जाता है।

सिर्फ यूरिक एसिड बढ़ना गाउट नहीं: यह समझना जरूरी है कि खून की जांच में यूरिक एसिड बढ़ा हुआ मिलना अपने आप में गाउट होने का प्रमाण नहीं है। कई लोगों में यूरिक एसिड का



स्तर बढ़ा रहता है, लेकिन उन्हें कभी गठिया की समस्या नहीं होती। इसलिए केवल जांच रिपोर्ट देखकर पैरों के दर्द का कारण यूरिक एसिड को मान लेना सही नहीं है। यूरिक एसिड शरीर में भोजन में मौजूद प्यूरिन के टूटने से बनता है।

सामान्य स्थिति में गुर्दे इसे पेशाब के रास्ते शरीर से बाहर निकाल देते हैं। जब शरीर में इसका निर्माण ज्यादा हो या गुर्दे इसे पर्याप्त मात्रा में बाहर न निकाल पाएं, तब खून में इसका स्तर बढ़ सकता है। लंबे समय तक अधिक स्तर रहने पर कुछ लोगों के जोड़ों में क्रिस्टल जमा हो सकते हैं।

किन लोगों को सावधान रहना चाहिए? : अगर पैर के अंगूठे या किसी अन्य जोड़ में अचानक तेज दर्द के साथ सूजन, लालिमा और गर्माहट हो, तो डॉक्टर से जांच कराना चाहिए। बार-बार ऐसे दौर पड़ने पर भी चिकित्सकीय सलाह जरूरी है। डॉक्टर लक्षणों और शारीरिक जांच के साथ यूरिक एसिड की जांच करा सकते हैं। कुछ मामलों में जोड़ के भीतर मौजूद द्रव की जांच से भी गाउट की पुष्टि की जाती है। यदि डॉक्टर ने गाउट या बढ़े हुए यूरिक एसिड की पुष्टि की है, तो वजन नियंत्रित रखना, नियमित शारीरिक गतिविधि करना, पर्याप्त पानी पीना और शराब तथा मीठे पेय से बचना मददगार हो सकता है। लाल मांस और कुछ अधिक प्यूरिन वाले खाद्य पदार्थों का सेवन भी सीमित करने की सलाह दी जा सकती है।

के लिए कंपनी ने स्टील रहित विशेष टायर तैयार किए हैं।

इस तकनीक का एक बड़ा फायदा छोटी बैटरी का इस्तेमाल भी है। अगर बस को पूरे रास्ते में अलग-अलग जगह थोड़ी-थोड़ी बिजली मिलती रहे तो उसमें बहुत बड़ी और



भारी बैटरी लगाने की जरूरत नहीं होगी। इससे बस का वजन कम हो सकता है और यात्रियों के लिए ज्यादा जगह मिल सकती है। बस की शुरुआती कीमत घटने की संभावना भी है। इस तकनीक का परीक्षण ज्यूरिख हवाई अड्डे और ज्यूरिख ओएलंकॉन के बीच 2.4 पड़वा वाले मार्ग पर किया गया। परीक्षण के दौरान बस को रास्ते में मिलने वाली चार्जिंग का फायदा मिला और पूरे मार्ग पर उसे केवल दो बार अलग से चार्ज करने की जरूरत पड़ी। दिनभर करीब 16 घंटे चलने वाली बस को अलग-अलग पड़वों पर रकने के दौरान कुल करीब तीन घंटे तक थोड़े-थोड़े समय के लिए चार्ज किया जा सकता है।

चलते समय पैरों में दर्द है तो हर बार यूरिक एसिड की ही समस्या नहीं

निशाना

मगर काग नहीं हैं..!



घनश्याम मैथिल ‘अमृत’

चल रहे हैं पितृपक्ष, मगर काग नहीं है बाजार में फल ढेर हैं, पर बाग नहीं हैं संगीत है सुनने को, मगर सुर है न साज, जो दिल को सुकून दे, वो राग नहीं है, ऊपर कमीज सफेद, और मैल है दिल में, ढूँढ लें लाख मगर, देखने पे दाग नहीं है, हो झोपड़ी रोशन अरे, जिनसे गरीबों की, अब ढूँढ़ने पे मिलता ऐसा, चिराग नहीं है, मिलने को तो मिलते हैं, वो रोज ही गले, पर सच्चे हृदय में यार के, अनुराग नहीं है, रिश्तों में स्थग्य घुसकर, बसा है इस तरह, अब मतलब बिना किसी से, संवाद नहीं है, बरगद की छँव पीपल, नीमों के ठिकाने, फूलों में पहले जैसा, अब पराग नहीं है, श्रद्धा तो खूब दिखती है, स्क्रीन पे उनकी, अंदर से वो सम्मान का, पर भाग नहीं है।

वायरल कंटेंट

ऑस्ट्रेलिया में 20 साल बिताने के बाद भारत लौटा परिवार, भावुक वीडियो सामने आया

विदेश में करीब 20 साल बिताने के बाद भारत लौटने का फैसला किसी के लिए भी भावुक कर देने वाला हो सकता है। लंबे समय तक दूसरे देश में रहने के बाद वहां की जिंदगी, कामकाज और बच्चों की पढ़ाई से परिवार का गहरा जुड़ाव हो जाता है। ऐसे में सब कुछ पीछे छोड़कर अपने देश लौटना आसान नहीं होता। ऑस्ट्रेलिया में करीब दो दशक बिताने वाले एक भारतीय परिवार ने अब हमेशा के लिए भारत लौटने का फैसला किया है। भारत रवाना होने से पहले दंपती ने हवाई अड्डे से एक वीडियो साझा किया, जिसमें उनकी खुशी के साथ भावुकता भी नजर आई। यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर चर्चा में है।

ऑस्ट्रेलिया छोड़ने से पहले बनाए गए वीडियो में दंपती ने बताया कि वहां उन्होंने अपने जीवन के करीब 20 साल बिताए। इस दौरान उन्हें कई अनुभव मिले और जिंदगी के महत्वपूर्ण पड़ाव वहीं पूरे हुए। इसलिए देश छोड़ते समय भावुक होना स्वाभाविक था। वीडियो में एक तरफ नए सफर को लेकर उत्साह था, तो दूसरी तरफ इतने लंबे समय तक रहे देश को छोड़ने की उदासी भी दिखाई दी। दंपती ने बताया कि उनकी उड़ान कुछ ही देर में थी और 7 अक्टूबर की सुबह करीब 7 बजे दिल्ली पहुंचने की योजना थी। इसके बाद परिवार कार से अपने

घर की ओर रवाना होने वाला था।

माता-पिता के साथ रहने की चाह: भारत लौटने के पीछे परिवार ने कई वजहें बताई हैं। सबसे बड़ी वजह माता-पिता के साथ रहना है। लंबे समय तक विदेश में रहने के बाद अब दंपती अपने परिवार के करीब रहना चाहते हैं। उनका मानना है कि माता-पिता के साथ बिताया समय बेहद कीमती है और इसे दूर रहकर पूरी तरह महसूस नहीं किया जा सकता। दंपती अपने बच्चों को भी भारतीय संस्कृति और जीवनशैली से करीब से जोड़ना चाहते हैं। उनका कहना है कि बच्चों को अपनी जड़ों, परिवार और संस्कृति को समझने का मौका मिलना चाहिए।

भविष्य की चिंता के बावजूद फैसला: भारत लौटने के बाद परिवार के सामने कई नई चुनौतियां भी होंगी। बच्चों को नया माहौल कैसे लगेगा, पढ़ाई और दोस्तों के बीच तालमेल कैसे बनेगा और आगे परिवार का जीवन किस तरह चलेगा, यह अभी तय नहीं है। दंपती का कहना है कि अगर वे हर चीज का पहले से हिसाब लगाते रहते तो शायद इतना बड़ा फैसला कभी नहीं ले पाते। इसलिए उन्होंने भविष्य की तमाम चिंताओं के बजाय परिवार के साथ रहने और नई शुरुआत को प्राथमिकता दी। परिवार की चलन-व्यापार की दिल्चस्प पहलू उनकी लाल रंग की मस्टैंग कार भी है। शुरुआत में कार बेचने या ऑस्ट्रेलिया में किसी दोस्त के पास छोड़ने का विचार था।



पहियों से ही चार्ज होंगी इलेक्ट्रिक बसें, वायरलेस तकनीक बदलेगी परिवहन का तरीका

इलेक्ट्रिक बसों को चार्ज करने के लिए अब भारी तार और बड़े चार्जर की जरूरत कम हो सकती है। स्विट्जरलैंड के इंटीएच ज्यूरिख से जुड़ी कंपनी विंडक्शन ने ऐसी वायरलेस चार्जिंग तकनीक विकसित की है, जिसमें बस के पहियों के जरिए उसकी बैटरी में बिजली पहुंचाई जा सकती है। खास बात यह है कि बस को लंबे समय तक किसी चार्जिंग केंद्र पर खड़ा करने के बजाय रास्ते में रकने के दौरान भी थोड़ी-थोड़ी बिजली दी जा सकेगी। इस तकनीक में सड़क पर विशेष चार्जिंग प्लेट लगाई जाती है। बस जब इसके ऊपर आकर रकती है तो सड़क में लगी प्लेट और बस के पहिए के बीच बिजली का चुंबकीय हस्तांतरण शुरू हो जाता है। इससे बस की बैटरी में सीधे बिजली पहुंचती है। कंपनी का दावा है कि इस व्यवस्था में करीब 90 प्रतिशत तक ऊर्जा का प्रभावहीन इस्तेमाल हो सकता है।

पहिए में लगाई गई खास कुंडली: सामान्य वायरलेस चार्जिंग व्यवस्था में सड़क और वाहन के बीच कुछ दूरी रहती है। दूरी बढ़ने पर बिजली पहुंचाने में ऊर्जा का नुकसान बढ़ जाता है। विंडक्शन ने इस समस्या को कम करने के लिए चार्जिंग कुंडली को बस के पहिए के भीतर लगाया है। इससे सड़क पर लगी चार्जिंग प्लेट और बिजली लेने वाली कुंडली के बीच की दूरी काफी कम हो जाती है।

बस जैसे ही चार्जिंग प्लेट के ऊपर रकती है, चुंबकीय क्षेत्र के माध्यम से बिजली पहिए के भीतर लगी कुंडली तक

पहुँचती है और वहां से बैटरी चार्ज होती है। बस के सवारियों को उतारने-चढ़ाने के दौरान भी यह व्यवस्था काम कर सकती है। यानी बस जितनी देर निर्धारित स्थान पर रुकेगी, उतनी देर बैटरी को ऊर्जा मिलती रहेगी। इस तकनीक के सामने एक बड़ी चुनौती सामान्य टायरों में इस्तेमाल होने वाली स्टील की पट्टियां थीं। टायरों को मजबूत बनाने के लिए इनमें स्टील का इस्तेमाल होता है, लेकिन यह वायरलेस बिजली हस्तांतरण में बाधा बन सकता था। इसके समाधान



भारी बैटरी लगाने की जरूरत नहीं होगी। इससे बस का वजन कम हो सकता है और यात्रियों के लिए ज्यादा जगह मिल सकती है। बस की शुरुआती कीमत घटने की संभावना भी है। इस तकनीक का परीक्षण ज्यूरिख हवाई अड्डे और ज्यूरिख ओएलंकॉन के बीच 2.4 पड़वा वाले मार्ग पर किया गया। परीक्षण के दौरान बस को रास्ते में मिलने वाली चार्जिंग का फायदा मिला और पूरे मार्ग पर उसे केवल दो बार अलग से चार्ज करने की जरूरत पड़ी। दिनभर करीब 16 घंटे चलने वाली बस को अलग-अलग पड़वों पर रकने के दौरान कुल करीब तीन घंटे तक थोड़े-थोड़े समय के लिए चार्ज किया जा सकता है।

न्यूज विंडो

चित्रों में उतरी प्रकृति की पुकार, बच्चों ने लिया वन्यजीव बचाने का संकल्प



धार। वन्यजीव संरक्षण सप्ताह 2026 के तहत वनमंडल धार के विभिन्न वन परिक्षेत्रों में विद्यार्थियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य बच्चों को वन्यजीव संरक्षण, पर्यावरण और जैव विविधता के महत्व से परिचित कराना रहा। वन परिक्षेत्र धार में विद्यार्थियों को नगर वन (जमुन झपटी पहाड़ी) का भ्रमण कराया गया। इसके साथ ही चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित कर बच्चों को प्रकृति और वन्यजीवों के प्रति संवेदनशील बनाया गया। वहीं टांडा, बाग, कुक्षी और धामनोद वन परिक्षेत्रों में पर्यावरण एवं वन्यजीव संरक्षण विषय पर विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए चित्रों और अपनी रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया। वन विभाग के अधिकारियों ने बच्चों को वनों की उपयोगिता, जैव विविधता और वन्यजीवों की सुरक्षा के महत्व की जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को वन और वन्यजीवों की रक्षा का संकल्प भी दिलाया गया।

मां के दरबार में स्वच्छता की सेवा, युवाओं ने चमकाया मंदिर परिसर



तेंदूखेड़ा। नवरात्रि पर्व के आगमन से पहले तेंदूखेड़ा ब्लॉक के ग्राम तारादेही स्थित सांकला माता मंदिर में युवाओं ने स्वच्छता अभियान चलाकर मंदिर परिसर को साफ-सुथरा किया। बुधवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े युवाओं ने मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में सफाई की। नवरात्रि पर्व में अब महज तीन दिन शेष हैं। इसे देखते हुए युवाओं ने मंदिर परिसर में जगह-जगह बिखरी पूजा सामग्री, फूल-माला और अन्य कचरे को एकत्रित कर हटाया। अभियान के दौरान प्लास्टिक की बोतलें, पॉलिथीन सहित अन्य अपशिष्ट भी एकत्र कर परिसर को स्वच्छ बनाया गया। युवाओं ने मंदिर के आसपास की सफाई करने के साथ श्रद्धालुओं और ग्रामीणों को स्वच्छता बनाए रखने के लिए जागरूक किया। उनका कहना था कि धार्मिक स्थलों की स्वच्छता सामूहिक जिम्मेदारी है और नवरात्रि जैसे पर्व के दौरान इसकी विशेष आवश्यकता रहती है। स्वच्छता अभियान में इंद्रराज लोधी, नीलेश विश्वकर्मा, विपेंद्र लोधी, शिवम लोधी, साहिल लोधी, रनवीर लोधी, शिवराज लोधी, ऋषि लोधी सहित अन्य युवा मौजूद रहे।

हाथों में झाड़ू, दिल में सेवा का संकल्प विद्यार्थियों ने चमकाया कॉलेज परिसर



तेंदूखेड़ा। सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत बुधवार को शासकीय महाविद्यालय तेंदूखेड़ा में ‘सेवा मेरा योगदान’ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य शंकर सिंह ठाकुर ने की। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक श्रमदान करते हुए महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया। विद्यार्थियों ने परिसर के प्रांगण और आसपास के क्षेत्रों की सफाई कर कचरा एकत्र किया। साथ ही प्लास्टिक के उपयोग से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक करते हुए परिसर को प्लास्टिक मुक्त बनाए रखने का संदेश दिया। विद्यार्थियों ने स्वयं श्रमदान कर सेवा, जनभागीदारी और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत किया। एनएसएस अधिकारी यशवंत अहिरवार एवं सुमन अहिरवार के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने विभिन्न स्वच्छता गतिविधियों में सहभागिता की। अभियान के दौरान सभी ने परिसर को स्वच्छ बनाए रखने का संकल्प लिया। मंच संचालन डॉ. सुनील गिरी ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वच्छता और सेवा के महत्व की जानकारी दी।

हिंदी सेवा को मिला सम्मान, हेमराज सिसोदिया को महाप्रबंधक पुरस्कार



इटारसी। विद्युत लोको शेड इटारसी के पुस्तकालय अध्यक्ष हेमराज सिसोदिया को राजभाषा हिंदी के क्षेत्र में उल्लेखनीय एवं सराहनीय कार्य के लिए सम्मानित किया गया। वर्ष 2025-26 के दौरान हिंदी के प्रचार-प्रसार तथा कार्यालयीन कार्यों में राजभाषा के प्रभावी उपयोग में सक्रिय योगदान के लिए उन्हें महाप्रबंधक नगद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। रेलवे प्रशासन ने सिसोदिया के राजभाषा संबंधी कार्यों में सक्रिय सहभागिता और हिंदी के प्रति समर्पण की सराहना की। उनके प्रयासों से कार्यालयीन गतिविधियों में हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देने के साथ राजभाषा के प्रचार-प्रसार को भी गति मिली। सम्मान प्राप्त होने पर विद्युत लोको शेड के अधिकारियों और कर्मचारियों ने हेमराज सिसोदिया को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सहकर्मियों ने कहा कि राजभाषा के प्रति समर्पण और कार्य के प्रति प्रतिबद्धता के लिए मिला यह सम्मान अन्य कर्मचारियों को भी हिंदी के अधिकाधिक उपयोग के लिए प्रेरित करेगा।

ताला तोड़कर चांदी के आभूषण और दानपेटी की नकदी उड़ाई थी, तीन छत्र, मुकुट, झुमके समेत वारदात में इस्तेमाल बाइक-औजार जब्त

जयंती माता मंदिर चोरी का खुलासा, तीन बदमाश गिरफ्तार

धार। दोपहर मेट्रो

सरदारपुर तहसील के ग्राम दसई स्थित जयंती माता मंदिर में 27 सितंबर को हुई चोरी का पुलिस ने आठ दिन बाद खुलासा कर दिया। मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक आरोपी अभी फरार है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए तीन चांदी के छत्र, एक चांदी का मुकुट और एक जोड़ी चांदी का झुमके बरामद किए हैं। वारदात में इस्तेमाल हेरो स्प्लेंडर बाइक और पाना, पेचकस व कटर भी जब्त किए गए। एसडीओपी विश्वदीप



सिंह परिहार ने बताया कि 27 सितंबर को बदमाशों ने मंदिर का ताला तोड़कर चांदी का मुकुट, कंदोरा, झुमके, तीन छत्र और दानपेटी की नकदी चोरी की थी।

शिकायत के बाद पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। एसपी सचिन शर्मा, एसपी पारुल बेलापुरकर व विजय डावर तथा एसडीओपी परिहार के मार्गदर्शन में

पूछताछ में झालावाड़ से मादक पदार्थ लाने का खुलासा

राजस्थान से देवरी तक स्मैक का नेटवर्क

30 ग्राम हेरोइन के साथ दो गिरफ्तार

सागर। दोपहर मेट्रो

जिले में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में देवरी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने 30 ग्राम स्मैक (हेरोइन) के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों के कब्जे से 15-15 ग्राम स्मैक बरामद हुई। मामले में थाना देवरी में धारा 8/21, 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

एसडीओपी अरुण डहके और थाना प्रभारी कपिल लक्षकार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने रहली रोड स्थित रेज ऑफिस के मैदान के सामने आकाश बंसल की गुमटी के पास झुनकू देवरी क्षेत्र में संदिग्धों की घेराबंदी की। कार्रवाई के दौरान दिनेश पिता ओमकार साहू (36), निवासी कोरांकिया कोलोनो, देवरी और छोटू उर्फ तिलक पिता विजय यादव (29), निवासी झुनकू वार्ड, देवरी को पकड़ा गया।

पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे राजस्थान के झालावाड़ जिले के घाटोली-दुर्जनपुर क्षेत्र से स्मैक लेकर आए थे। प्रारंभिक जांच में झालावाड़ के घाटोली, इकलेरा और राजगढ़ जिले के भोजपुर क्षेत्र के आसपास से मादक पदार्थ की आपूर्ति होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े सप्लायरों और स्थानीय स्तर पर मादक पदार्थ खपाने वालों की पहचान कर रही है। थाना प्रभारी



पूछताछ में खुली सप्लाई नेटवर्क की कड़ियां

गिरफ्तार दोनों आरोपियों से पूछताछ के दौरान पुलिस को मादक पदार्थ की सलाई से जुड़े कई अहम सुराग मिले हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार स्मैक राजस्थान के झालावाड़ जिले के घाटोली-दुर्जनपुर क्षेत्र से देवरी लाई गई थी। पुलिस को घाटोली, इकलेरा और राजगढ़ जिले के भोजपुर क्षेत्र के आसपास के गांवों से भी मादक

पदार्थ की सलाई होने की जानकारी मिली है। अब पुलिस इन स्थानों से जुड़े संदिग्ध लोगों और सप्लाई चैन की कड़ियों की जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों से मिली जानकारी का सत्यापन किया जा रहा है। नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की भूमिका सामने आने पर उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

कपिल लक्षकार ने बताया कि आरोपियों से मिले सुरागों का सत्यापन किया जा रहा है और अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी

के प्रयास जारी हैं। कार्रवाई में उपनिरीक्षक समरध सीनम सहित पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

दो दिन पानी की सप्लाई

रहेगी प्रभावित, नई टंकी की होगी टैस्टिंग

नवीन पानी की टंकी और पाइपलाइन दुरुस्ती के चलते

जल प्रदाय बाधित, नपा ने नागरिकों से पहले से पानी संग्रहित करने की अपील की



गंजबासौदा। नगर पालिका परिषद द्वारा नवीन पानी की टंकी की टैस्टिंग और पाइपलाइन दुरुस्ती का कार्य किया जा रहा है। इसके चलते नगर में दो दिन जल आपूर्ति प्रभावित रहेगी। जल प्रदाय शाखा के सुनील यादव ने बताया कि आज शाम तथा शुक्रवार 9 अक्टूबर की सुबह पानी की सप्लाई नहीं हो सकेगी।

सीएमओ अशोक वर्मा ने बताया कि नई टंकी की टैस्टिंग और पाइपलाइन सुधार कार्य आवश्यक है। कार्य पूरा होने के बाद जल आपूर्ति नियमित कर दी जाएगी। नगर पालिका ने नागरिकों से अस्सुविधा से बचने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पहले से संग्रहित करने की अपील की है।

13 से मानस भवन में सजेगा गरबा का मंच

23वें साल में डांडिया-गरबा का रंग, 550 बच्चे दिखाएंगे हुनर

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

लकी फ्रेंड ग्रुप के तत्वावधान में पुराना मेला ग्राउंड स्थित मानस भवन में डांडिया एवं गरबा महोत्सव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। बच्चों का प्रशिक्षण और अभ्यास जारी है। 12 अक्टूबर तक प्रशिक्षण चलेगा, जबकि 13 से 15 अक्टूबर तक मुख्य आयोजन होगा। लकी फ्रेंड ग्रुप द्वारा नगर में मां दुर्गा की आराधना के साथ लगातार 22 वर्षों से यह आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष महोत्सव 23वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है।

आयोजकों के अनुसार शुरुआत में केवल 30-40 बच्चे शामिल होते थे,



लेकिन बढ़ती सहभागिता के चलते इस बार करीब 550 बच्चे गरबा और डांडिया प्रस्तुतियों में हिस्सा लेंगे। प्रशिक्षण में बच्चे उत्साह के साथ आकर्षक प्रस्तुतियों की तैयारी कर रहे हैं। आयोजन ने विदिशा जिले में अपनी अलग पहचान बनाई है। आयोजकों ने नगरवासियों से पहुंचकर बच्चों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है।

संचालनालय, नगरीय प्रशासन एवं विकास

6 नम्बर बस स्टॉप, शिवाजी नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश
दूरभाष नं. 0755-2573832, E-mail Id- tonish.mandraha@mpurban.gov.in
क्रमांक / शाखा-03/2026/14016 दिनांक 05-10-2026

ई-निविदा सूचना

संचालनालय, नगरीय प्रशासन एवं विकास, भोपाल, मध्यप्रदेश, द्वारा कार्यालय में आवश्यकता अनुसार समय-समय पर दैनिक उपयोग हेतु स्टेशनरी की सामग्री या उपलब्ध कराये जाने हेतु 02 वर्ष की समयावधि के लिये, ई-निविदा क्र. 2026_UAD_541129_1 आमंत्रित की जाती है। कार्य की अनुमानित लागत रुपये 01.00 करोड़ तथा निविदा प्रपत्र का मूल्य रुपये 10,000/- निर्धारित है। निविदा दिनांक 02.11.2026 शाम 5:30pm तक ऑनलाइन प्रस्तुत की जा सकेगी। निविदा प्रपत्र व कार्य की विस्तृत शर्तें www.mptenders.gov.in पर उपलब्ध हैं। निविदा प्रकाशन उपरान्त, निविदा में कोई भी परिवर्तन / संशोधन ऑनलाइन ई-टेंडर पोर्टल पर ही किया जावेगा।

कार्यापालन यंत्री
G-19647/26 नगरीय प्रशासन एवं विकास भोपाल, मध्यप्रदेश

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. (वि./यां.) संभाग क्र. 1, शेड नं. 11-ए बारह दफ्तर जवाहर चौक भोपाल

web site: www.mppwd.gov.in
निविदा सूचना क्र. 100/तक/2026-27
e-mail:- ecpwdelecbpl@mp.nic.in
भोपाल दिनांक 05/10/2026

/// निविदा सूचना ///

निम्नलिखित कार्य हेतु टेण्डर क्रम आंखन पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

स. क्र.	आवंटन नं.	कार्य का नाम	आपस्टेट वैल्यू	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1.	2026_PWDRB 540781 1	इस संभाग के अधीन (वि./ यां.) उपसंभाग क्र. 1 भोपाल के अंतर्गत (वि./यां.) अनुभाग 74 बंगले एवं मुख्य मंत्री आवास में पड़े अनुपयोगी विद्युत सामग्री / उपकरणों की ई-आंखन	रु. 5,58,71,11.00	रु. 11,174.00	रु. 2000.00

निविदा के विस्तृत दस्तावेज एवं नियम व शर्तें वेबसाइट https://mptenders.gov.in से नि:शुल्क डाउनलोड की जा सकती है। निविदाकार को निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि केवल ई-भुगतान के माध्यम से ऑनलाइन ही जमा करना होगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने एवं बिड सबमिशन की अंतिम तिथि दिनांक 19.10.26 सांय 5:30 बजे तक निर्धारित है। ऑनलाइन निविदा की प्रारम्भ तिथि दिनांक 23.10.2026 सुबह 10:30 बजे से एवं अंतिम तिथि दिनांक 23.10.2026 सांय 5:30 बजे तक निर्धारित है। किसी प्रकार के परिवर्तन / संशोधन का प्रचार प्रसार केवल उपर्युक्त वेबसाइट पर ही किया जावेगा। निविदा में प्राल सभी बिड / प्रस्ताव को स्वीकृत अथवा निरस्त करने का पूर्ण अधिकार मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग के पास सुरक्षित रहेगा। अनुपयोगी सामग्री उल्लेखित उपसंभाग के सम्बन्धित अनुभागोंपर अधिकारी एवं उपयंत्री के मो. नम्बर से सम्पर्क करें। उपसंभाग क्र. 1 हेतु अनु.अधि. मो. नं. 9755444489/74 बंगले 9827396404 / मुख्य मंत्री आवास 7999686552 से सम्पर्क कर दिनांक 12/10/2026 से 19/10/2026 तक दोपहर 11.00 से 3.00 बजे के मध्य देखी जा सकती है।

G-19587/26 कार्यापालन यंत्री लो.नि.वि. वि./यां. संभाग क्र. 1, भोपाल

न्यूज विंडो

सर्दी-जुकाम और मोतीझरा का प्रकोप अस्पताल के ओपीडी 150 के पार हुआ



तेंदूखेड़ा। बारिश थमने और मौसम साफ होने के साथ धूप निकलने के बाद बदलते मौसम का असर लोगों की सेहत पर दिखाई देने लगा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा की ओपीडी में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बीएमओ डॉ. अशोक बरोनिया ने बताया कि इन दिनों रोजाना करीब 100 से 150 मरीज उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। अस्पताल में मोतीझरा (कंजक्टिवाइटिस), सर्दी-जुकाम, बुखार, पेट दर्द सहित विभिन्न मौसमी बीमारियों के मरीज सामने आ रहे हैं। बारिश के बाद नमी और तापमान में उतार-चढ़ाव के कारण संक्रमण का खतरा बढ़ने से हर उम्र के लोग प्रभावित हो रहे हैं। डॉ. बरोनिया ने लोगों से पानी उबालकर पीने, भोजन ढककर रखने, मच्छरदानी का उपयोग करने और आंखों की स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराएं। मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए अस्पताल में ओपीडी व्यवस्था सुचारू रखने के प्रयास किए जा रहे हैं। जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त चिकित्सा कर्मियों की तैनाती भी की जाएगी।

त्योहारों से पहले पुलिस अलर्ट, 15 वाहनों के चालान और 50 को दी हिदायत



धार। त्योहारों के मद्देनजर शहर में यातायात व्यवस्था और सड़क सुरक्षा को लेकर पुलिस ने विशेष चेकिंग अभियान शुरू कर दिया है। अभियान की शुरुआत बुधवार रात घोड़ा चौपाटी से हुई। पुलिस ने बैरिकेडिंग कर वाहनों को रोककर दस्तावेज और यातायात नियमों की जांच की। नवागत सीएसपी योशेंद्र सिंह ने वाहन चालकों को हेलमेट और चार पहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट लगाने की समझाझ दी। उन्होंने कहा कि हेलमेट केवल चालान से बचने के लिए नहीं, बल्कि हादसे में जान बचाने के लिए जरूरी है। चेकिंग के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले 15 वाहन चालकों के चालान बनाए गए, जबकि करीब 50 वाहन चालकों को समझाइश देकर नियमों का पालन करने की हिदायत दी गई। चार पहिया वाहनों की भी जांच की गई। अभियान में यातायात टीआई प्रेमसिंह ठाकुर, कोतवाली थाना प्रभारी ईश्वर सिंह चौहान, नौगांव टीआई राजलालन मिश्रा सहित पुलिस बल मौजूद रहा। पुलिस के अनुसार त्योहारों तक शहर के प्रमुख चौराहों पर रोजाना चेकिंग होगी। यातायात नियम तोड़ने के साथ सार्वजनिक स्थानों पर हुड़दंग करने वालों पर भी कार्रवाई की जाएगी।

ज्वाला पैनल गरबा समिति का 44वां वर्ष विजेता टीमों को मिलेंगे 25-25 हजार



धार। शहर की प्रतिष्ठित ज्वाला पैनल गरबा समिति इस वर्ष अपना 44वां स्थापना वर्ष उत्साह और भव्यता के साथ मनाने जा रही है। आयोजन को खास बनाने के लिए समिति ने गरबा प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने वाली टीमों के लिए एक लाख रुपए की पुरस्कार राशि घोषित की है। प्रतियोगिता के सुपर फोर में पहुंचने वाली चार गरबा टीमों को 25-25 हजार रुपए नकद पुरस्कार दिए जाएंगे। कुल एक लाख रुपए की यह राशि स्वर्गीय राम दुर्गा सिंह ठाकुर की स्मृति में केवल श्री ग्रुप, धार की ओर से प्रदान की जाएगी। समिति पदाधिकारियों और सदस्यों की मौजूदगी में पुरस्कार की घोषणा की गई। आयोजन को लेकर तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। समिति ने धार शहर सहित आसपास के क्षेत्रों के सभी गरबा मंडलों और टीमों से प्रतियोगिता में अधिकाधिक संख्या में भाग लेने की अपील की है। आयोजकों का कहना है कि 44वें वर्ष का यह आयोजन भव्य और यादगार बनाने के लिए विशेष तैयारियां की जा रही हैं।

15 करोड़ के लोन का झांसा देकर 9 लाख की ठगी; मुंबई से धराया शातिर

जबलपुर। दोपहर मेट्रो
15 करोड़ रुपए का ऋण दिलाने के नाम पर होटल व्यवसायी से लाखों रुपए की ठगी करने वाले शातिर बृजेश तिवारी को मदन महल पुलिस ने मुंबई के अंधेरी वेस्ट से गिरफ्तार किया है। मूल रूप से प्रयागराज निवासी आरोपी को मंगलवार को जबलपुर लाया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि उसका ठगी का नेटवर्क केवल जबलपुर तक सीमित नहीं है। प्रयागराज और बंगाल में भी लोगों को झांसे में लेने के सुराग मिले हैं।
आरोपित खुद को प्रभावशाली धर्मगुरुओं और प्रशासनिक अधिकारियों से जुड़ा बताकर लोगों पर रौब जमाता था। वह कम ब्याज और बिना गारंटी करोड़ों का लोन दिलाने का दावा कर प्रोसेसिंग फीस

व स्टाम्प ड्यूटी के नाम पर रकम वसूलता था। होटल व्यवसायी संजय भाटिया उर्फ नीटू से 15 करोड़ का ऋण दिलाने के नाम पर उसने 9 लाख रुपए लिए। शेष रकम देने से इनकार और पैसे वापस मांगने पर आरोपी धमकाने लगा। पुलिस के अनुसार बृजेश सोशल मीडिया पर हथियारों के साथ तस्वीरें पोस्ट कर अपनी दबंग छवि दिखाता था और पीड़ितों को शूटर भेजकर हत्या कराने की धमकी भी देता था। प्रयागराज के एक शिक्षण संस्थान संचालक से डीम्ड यूनिवर्सिटी के लिए 3500 करोड़ रुपए का ऋण दिलाने का झांसा देकर करीब 71.50 लाख रुपए लेने का आरोप भी सामने आया है। पुलिस अन्य राज्यों से संपर्क कर नेटवर्क और पुराने मामलों की जांच कर रही है।

दोपहर मेट्रो



एसजीआरसी की जांच रिपोर्ट के बाद डीन कार्यालय ने की कार्रवाई

पीजी डॉक्टर को प्रताड़ित करने के मामले में 2 सीनियर छात्राएं निलंबित

इंदौर। दोपहर मेट्रो

एमटीएच अस्पताल में पीजी छात्रा डॉ. सिम्मी यादव को प्रताड़ित किए जाने के मामले में आखिरकार कार्रवाई हुई है। डीन कार्यालय ने स्त्री रोग विभाग की दो सीनियर पीजी रिसिडेंट डॉ. निकिता गुरवानी और डॉ. श्वेता रघुवंशी को सात दिन के लिए निलंबित कर दिया है। दोनों को इस अवधि में क्लीनिकल, अकादमिक और विभागीय जिम्मेदारियों से मुक्त रखा गया है। आदेश 6 अक्टूबर से प्रभावी किया गया है।

यह कार्रवाई स्टूडेंट ग्रिवेंस रिड्रेसल कमेटी (एसजीआरसी) की जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई। मामले में प्रताड़ना से परेशान डॉ. सिम्मी यादव ने इंसुलिन का डबल डोज लगा लिया था। तबीयत बिगड़ने पर उन्हें एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां दो दिन आईसीयू में उपचार के बाद छुट्टी मिली थी। छात्रा की ओर से नेशनल मेडिकल कमीशन की एंटी रैगिंग कमेटी में भी शिकायत की गई थी। इसके बाद एमजीएम प्रशासन ने जांच शुरू की थी। हीरा



प्रताड़ना से परेशान होकर लिया डबल डोज

एसजीआरसी की जांच के बाद डीन कार्यालय ने डॉ. निकिता गुरवानी और डॉ. श्वेता रघुवंशी को सात दिन के लिए निलंबित किया है। दोनों स्त्री रोग विभाग में पीजी रिसिडेंट हैं। निलंबन अवधि में उन्हें क्लीनिकल, अकादमिक और विभागीय गतिविधियों से दूर रखा जाएगा। डॉ. सिम्मी यादव ने सीनियर छात्राओं की खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की गई है।

होकर इंसुलिन का डबल डोज ले लिया था। हालत बिगड़ने पर उन्हें एमवाय अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया था। मामले की शिकायत एनएमसी की एंटी रैगिंग कमेटी तक पहुंची थी, जिसके बाद एमजीएम प्रशासन ने जांच कराई। एसजीआरसी की रिपोर्ट के आधार पर अब दोनों सीनियर छात्राओं के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की गई है।

नगर पुलिस ने जहरीला पदार्थ खाने से हुई 31 वर्षीय रिकी की मौत के मामले में उसके पति और सास-ससुर के खिलाफ दहेज हत्या का केस दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार रिकी ने 23 सितंबर को

आत्महत्या की थी। उसकी शादी करीब तीन वर्ष पहले हुई थी। एसीपी रुबिना मिजवानी की जांच के बाद पति गणेश, सास शेतान बाई और ससुर लक्ष्मण के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है।

तीन साल की शादी, अब दहेज और हत्या का मामला दर्ज

वहीं, हीरा नगर थाना क्षेत्र में 31 वर्षीय रिकी की मौत के मामले में पुलिस ने उसके पति और सास-ससुर के खिलाफ दहेज हत्या का प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार रिकी ने 23 सितंबर को जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या की थी। उसकी शादी करीब तीन वर्ष पहले गणेश से हुई थी। मामले की जांच एसीपी रुबिना मिजवानी ने की। जांच के बाद पुलिस ने पति गणेश, सास शेतान बाई और ससुर लक्ष्मण के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस अब मामले से जुड़े तथ्यों और परिस्थितियों की जांच कर रही है। अधिकारियों के अनुसार जांच में सामने आए साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

मदद के नाम लाखों का कर्ज, धमकी... युवक ने लगाए 12.78 लाख की धोखाधड़ी के आरोप

कार दिलाने के नाम पर दोबारा फाइनेंस कराने का दावा, पुलिस ने शुरू की जांच

तेंदूखेड़ा/दमहो। दोपहर मेट्रो
मदद के नाम पर एक युवक को कथित तौर पर लाखों रुपए की धोखाधड़ी और कर्ज के जाल में फंसाने का मामला सामने आया है। तेंदूखेड़ा निवासी सुमित राय ने थाना प्रभारी को आवेदन देकर अरुण दुबे सहित अन्य पर धोखाधड़ी, कूटरचित्त दस्तावेजों के इस्तेमाल और जातिसूचक अपमान का आरोप लगाया है। पीड़ित ने करीब 12 लाख 78 हजार 748 रुपए की आर्थिक धोखाधड़ी का दावा किया है। पुलिस ने आवेदन लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

शिकायत के अनुसार, मकान खाली करने को लेकर विवाद के दौरान अरुण दुबे ने कानूनी मदद दिलाने का भरोसा देकर सुमित से अलग-अलग किरतों में 32 हजार रुपये लिए। इसके बाद मारुति

स्विफ्ट कार खरीदने और बैंक से नया लोन स्वीकृत कराने का प्रस्ताव दिया गया। पीड़ित के अनुसार सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया से उसके और उसके भाई के नाम पर 7 लाख रुपये का लोन कराया गया। इसमें से 1 लाख 49 हजार रुपये कथित रूप से आरोपी की पत्नी के खाते में ट्रांसफर कराए गए।

पीड़ित का आरोप है कि बाद में कार अपने नाम कराने के नाम पर ओटीपी का गलत इस्तेमाल कर उसके नाम पर 5 लाख 76 हजार 268 रुपये का एक और फाइनेंस लोन करा दिया गया, जबकि उसे कार नहीं दी गई। शिकायत में अलग-अलग माध्यमों से 7 लाख 2 हजार 500 रुपए लेने का भी आरोप है।

सुमित ने आरोप लगाया कि 30 सितंबर को शिकायत करने पहुंचने

पर उसे और उसकी बहन को जातिसूचक गालियां दी गईं तथा हस्ताक्षर किए खाली चेक के जरिए जेल भिजवाने की धमकी दी गई।

आरोपी ने किया इनकार

अरुण दुबे ने आरोपों को गलत बताते हुए कहा कि सुमित ने मकान के संबंध में उनसे 12.50 लाख रुपये लिए थे और दोनों के बीच रजिस्टर्ड अनुबंध हुआ था। उनका आरोप है कि मकान बाद में फर्जी दस्तावेजों के जरिए अन्य व्यक्ति को बेचा गया। उन्होंने कहा कि वे पूर्व में ही पुलिस को शिकायत दे चुके हैं और वर्तमान आवेदन दबाव बनाने का प्रयास है। थाना प्रभारी सरोज सिंह ठाकुर ने बताया कि आवेदन प्राप्त हुआ है। मामले की संपूर्ण जांच की जा रही है और जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी।

96 नमूनों की जांच में 24 असुरक्षित पैकड घी में मिलावट का बड़ा खेल 28 सैपल फेल, 10 में जहरीला सीसा

इंदौर। दोपहर मेट्रो

शहर में बिक रहे पैकड घी की गुणवत्ता पर खाद्य सुरक्षा विभाग की जांच ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं। जुलाई से सितंबर के बीच जांचे गए 96 सैपलों में 28 फेल पाए गए। इनमें 24 असुरक्षित और चार अवमानक घोषित किए गए हैं। असुरक्षित सैपलों में से 16 की सीसा जांच कराई गई, जिनमें 10 नमूनों में सीसे की मात्रा तय सीमा से अधिक मिली।

जांच में इन सैपलों में सीसा 0.10 से 0.21 मिलीग्राम प्रति किलोग्राम तक पाया गया, जबकि स्वीकार्य सीमा 0.02 मिलीग्राम प्रति किलोग्राम है। यानी कुछ नमूनों में सीसा निर्धारित सीमा से 5 से 10.5 गुना तक ज्यादा मिला। विभाग के अनुसार 24 असुरक्षित सैपलों से करीब 17 हजार लीटर घी का स्टॉक जुड़ा है। कार्रवाई से पहले इसका



करीब 15 से 20 प्रतिशत हिस्सा बाजार में पहुंचने की जानकारी है, जो लगभग 2550 से 3400 लीटर बैठता है। जांच में संबंधित स्टॉक का नेटवर्क लसुड़िया, देवास नाका, बागड़वा, सियागंज, पालदा, लोहारमंडी, मल्हारगंज और राजेंद्र नगर सहित कई क्षेत्रों के डिपो व विक्रेताओं तक मिला। अधिकांश कंपनियां गुजरात और महाराष्ट्र की बताई गई हैं। विशेषज्ञों के अनुसार नकली घी में इस्तेमाल रंग, केमिकल, तेल या वसा में सीसा मौजूद हो सकता है। पैकेजिंग अथवा स्टोरेज ड्रम से भी इसके मिलने की आशंका जताई गई है।

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम KHUSHBOO SINGH CHANDEL जो कि मेरे पासपोर्ट में दर्ज है। किंतु अब मेरा नाम परिवर्तित होकर KHUSHBOO SINGH हो गया है। अतः अब मुझे मेरे इसी सही नाम KHUSHBOO SINGH से ही जाना/पहचाना जाए। Present address : C 27 rustam ji parisar jehangirabad Bhopal mp।

ट्रेसिंग रूम के विवादों पर लगा विराम, बोलीं- साथ खेलना बेहद सुखद रहा

विवाद नहीं...सिर्फ प्यार! हरमनप्रीत कौर को स्मृति मंधाना का भावुक संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम में नेतृत्व परिवर्तन के बाद ट्रेसिंग रूम में मनमुटाव और विवाद की चल रही चर्चाओं पर अब विराम लगता दिख रहा है। हरमनप्रीत कौर के सभी प्रारूपों की कप्तानी छोड़ने और स्मृति मंधाना को टीम की नई कप्तान बनाए जाने के बाद दोनों सीनियर खिलाड़ियों के बीच अनबन की अटकलें लगाई जा रही थीं। इन चर्चाओं के बीच मंधाना ने हरमनप्रीत कौर के लिए भावुक संदेश साझा कर साफ संकेत दिया कि दोनों के बीच आपसी सम्मान और रिश्ते मजबूत हैं। स्मृति मंधाना ने अपनी सामाजिक

माध्यम की कहानी पर हरमनप्रीत कौर की तस्वीर साझा की। इसके साथ उन्होंने लिखा कि हरमनप्रीत के साथ इतने वर्षों तक खेलना बेहद सुखद रहा है। उन्होंने हरमनप्रीत की करीब 10 वर्षों की कप्तानी को शानदार बताते हुए कहा कि अब टीम के सभी खिलाड़ी मिलकर देश के लिए आगे भी कई गौरव हासिल करने का प्रयास करेंगे। मंधाना के इस संदेश को भारतीय महिला क्रिकेट टीम के ट्रेसिंग रूम में एकजुटता का मजबूत संकेत माना जा रहा है। कप्तानी परिवर्तन के बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच मतभेद को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच यह संदेश सामने आया है।

हरमनप्रीत के नेतृत्व में मिलीं कई बड़ी उपलब्धियां

हरमनप्रीत कौर ने भारतीय महिला टीम की कप्तानी के दौरान कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं। उनके नेतृत्व में भारत ने 2025 का महिला एकदिवसीय विश्व कप जीता। इसके अलावा भारतीय टीम ने लगातार दो एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक भी अपने नाम किए। हालांकि, हाल ही में हरमनप्रीत ने सभी प्रारूपों की कप्तानी छोड़ने का फैसला किया। इसके बाद टीम की कप्तान स्मृति मंधाना को सौंपी गई। नेतृत्व परिवर्तन के बाद सोशल मीडिया और क्रिकेट जगत में दोनों वरिष्ठ खिलाड़ियों के बीच संबंधों को लेकर कई तरह की अटकलें सामने आईं।

कौर खिलाड़ी के तौर पर देती रहेंगी साथ

हरमनप्रीत कौर ने यह स्पष्ट किया है कि कप्तानी छोड़ने का मतलब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेना नहीं है। वह आगे भी भारतीय टीम के लिए खिलाड़ी के तौर पर खेलती रहेंगी। ऐसे में नई कप्तान स्मृति मंधाना को उनका अनुभव और समर्थन मिलने की उम्मीद है। हरमनप्रीत का टीम में बने रहना मंधाना के लिए भी महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि कप्तानी की जिम्मेदारी संभालने के साथ उन्हें मैदान पर नेतृत्व और टीम प्रबंधन की कई चुनौतियों का सामना करना होगा। स्मृति मंधाना के लिए भारतीय टीम की कप्तानी अंतरराष्ट्रीय करियर की सबसे बड़ी जिम्मेदारियों में से एक है। वह इससे पहले भारत की 18 टी20 और चार एकदिवसीय मैचों में कप्तानी कर चुकी हैं। घरेलू स्तर पर भी उनका नेतृत्व प्रभावशाली रहा है।

बीसीसीआई का बड़ा फैसला
टीम चयन में अब नहीं चलेगा ‘फिटनेस का भ्रम’, हर बैटक में शामिल होंगे वीवीएस

नई दिल्ली, एजेंसी
बीसीसीआई ने भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के चयन की प्रक्रिया को और बेहतर बनाने की दिशा में बड़ा फैसला किया है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बताया कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख और पूर्व भारतीय बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण अब आगे से सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चयन समिति की सभी बैठकों में मौजूद रहेंगे। यह व्यवस्था अब नियमित नियम का हिस्सा होगी। देवजीत सैकिया के मुताबिक, इस फैसले पर पिछले महीने मुंबई में हुई समीक्षा बैठक के दौरान सहमति बनी थी। इस बैठक में वीवीएस लक्ष्मण भी मौजूद थे। इसका मुख्य उद्देश्य चयनकर्ताओं और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करना है, ताकि खिलाड़ियों की उपलब्धता और फिटनेस को लेकर किसी तरह की गलतफहमी न रहे। बीसीसीआई ने अपने इंटरनेट मीडिया मंच पर एक तस्वीर साझा की, जिसमें वीवीएस गुवाहटी के एसीए स्टेडियम में हुई सीनियर पुरुष टीम की चयन बैठक में नजर आए। बैठक में बीसीसीआई सचिव के अलावा चयन समिति के सदस्य प्रज्ञान ओझा, एसएस दास और आरपी सिंह भी मौजूद थे। बैठक में न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला और न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की चार दिवसीय श्रृंखला के लिए भारतीय टीम का चयन किया गया।

खिलाड़ियों की चोट और फिटनेस पर रहेगी सीधी नजर
सैकिया ने कहा कि वीवीएस लक्ष्मण को खिलाड़ियों की चोट और फिटनेस से जुड़ी विस्तृत जानकारी रहती है। ऐसे में उनके चयन बैठकों में मौजूद रहने से चयनकर्ताओं को खिलाड़ियों की वर्तमान स्थिति की सही जानकारी मिल सकेगी। बीसीसीआई सचिव ने स्पष्ट किया कि इस बदलाव का उद्देश्य पारदर्शिता बढ़ाना नहीं, बल्कि सही और पूरी जानकारी के आधार पर बेहतर चयन सुनिश्चित करना है।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना
कियारा-सिद्धार्थ के घर फिर गूंजेगी किलकारी दूसरी बार माता-पिता बनने वाले हैं स्टार कपल

हिंदी सिनेमा के चर्चित सितारे कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा के घर एक बार फिर खुशियां दस्तक देने वाली हैं। दोनों जल्द ही दूसरी बार माता-पिता बनने वाले हैं। कियारा और सिद्धार्थ ने सोशल मीडिया पर एक साझा संदेश के जरिए यह खुशखबरी अपने प्रशंसकों के साथ साझा की। खबर सामने आते ही प्रशंसकों और फिल्म जगत से जुड़े लोगों ने दोनों को बधाइयां देना शुरू कर दिया। कियारा और सिद्धार्थ ने सोशल मीडिया पर एक प्यारी तस्वीर साझा की है। तस्वीर में उनकी पहली बेटी सरायाह मल्होत्रा अपने माता-पिता को ऊन से बने छोटे मोजे देती नजर आ रही हैं। इसी तस्वीर के जरिए दोनों ने अपने दूसरे बच्चे के आने की जानकारी बेहद खूबसूरत अंदाज में दी। साझा संदेश में दोनों ने लिखा कि उन्हें एक बार फिर जिंदगी के सबसे बड़े तोहफे का आशीर्वाद मिला है और उनके दिल प्यार तथा आभार से भरे हुए हैं। इस भावुक घोषणा के बाद प्रशंसकों के बीच खुशी की लहर दौड़ गई।

‘शेरशाह’ के दौरान शुरू हुई थी प्रेम कहानी

कियारा और सिद्धार्थ की प्रेम कहानी फिल्म ‘शेरशाह’ के दौरान शुरू हुई थी। वर्ष 2021 में आई इस फिल्म में दोनों ने साथ काम किया था। फिल्म की शूटिंग के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और धीरे-धीरे यह रिश्ता प्यार में बदल गया। कई वर्षों तक एक-दूसरे को जानने और साथ रहने के बाद दोनों ने फरवरी 2023 में राजस्थान में भव्य विवाह किया। विवाह समारोह में परिवार के सदस्यों और करीबी दोस्तों ने हिस्सा लिया था।

ओम शांति ओम से 1942: लव स्टोरी तक फराह खान ने दिखाई बिहाइंड-द-सीन्स झलक

मुंबई । मशहूर निर्देशक और कोरियोग्राफर फराह खान सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उन्होंने अपनी कुछ फिल्मों की झलकियां शेयर कीं, जिनमें हर दिल जो प्यार करेगा, दिल से और ओम शांति ओम जैसी फिल्में शामिल हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ बिहाइंड-द-सीन्स की झलकियां शेयर कीं, जिसमें फिल्म 1942: अ लव स्टोरी के गाने दिल से और छैया छैया, फिल्म हर दिल जो प्यार करेगा और ओम शांति ओम जैसी फिल्में हैं। फराह खान ने इस पोस्ट को एक मजेदार गेम बनाते हुए अपने फैस से तस्वीरों को देखकर फिल्मों के नाम पहचानने को कहा। फराह खान ने

लिखा, +कुछ पुरानी झलकियां। क्या आप तस्वीरों को देखकर फिल्मों के नाम पहचान सकते हैं? जवाब तस्वीरों में ही छिपा है। फराह ने 1942: अ लव स्टोरी के गाने कुछ ना कहो के लिए मनीषा कोइराला को कोरियोग्राफ किया था। इसमें अनिल कपूर, मनीषा कोइराला और जैकी श्रॉफ के साथ डैनी डेंजोंगपा, अनुपम खेर, प्राण और ब्रायन लोवर ने भी काम किया था।फराह ने दिल से फिल्म के छैया छैया गाने को भी कोरियोग्राफ किया था, जिसमें शाहरुख खान के साथ मलाइका अरोड़ा नजर

आई थीं। इस गाने को चलती ट्रेन की छत पर शूट किया गया था। फराह ने इस गाने को सिर्फ साढ़े चार दिन में डांस कोरियोग्राफी पूरी कर ली थी। फिल्म हर दिल जो प्यार करेगा में फराह खान ने गानों की कोरियोग्राफर के रूप में काम किया था। उन्होंने इस फिल्म के सभी गानों के डांस स्टेप्स को कोरियोग्राफ किया था।फराह ने 2004 में मैं हूं ना से निर्देशन में कदम रखा। इसके बाद उन्होंने 2007 की ब्लॉकबस्टर ओम शांति ओम का भी निर्देशन किया था।

लक्ष्मण ने दिखाई राह, गंभीर ने रोका कदम..

कब खत्म होगा ‘बेबी बॉस’ का इंतजार? रांची के मैदान में पर टिकीं फैस की निगाहें

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट के सबसे चर्चित युवा चेहरों में शामिल वैभव सूर्यवंशी इन दिनों एक ऐसे इंतजार से गुजर रहे हैं, जिसने प्रशंसकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। बल्ला तैयार है, नाम लगातार चर्चा में है और मैदान पर उनके आक्रामक अंदाज को देखने के लिए दर्शक बेताब हैं, लेकिन प्लेइंग इलेवन में जगह अभी भी दूर है। वेस्टइंडीज के खिलाफ लखनऊ में खेले गए पहले टी20 मुकाबले में वैभव को बाहर बैठना पड़ा। भारत ने संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत की और टीम प्रबंधन ने अपने पुराने संयोजन पर ही भरोसा जताया। अब निगाहें अक्टूबर को रांची में होने वाले दूसरे टी20 पर टिक गई हैं। यहां मुकाबला सिर्फ भारत और वेस्टइंडीज के बीच नहीं माना जा रहा, बल्कि प्रशंसकों के बीच सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या इस बार 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना बल्ला दिखाने का मौका मिलेगा। दूसरे टी20 को लेकर रांची में क्रिकेट प्रेमियों का उत्साह चरम पर है। टिकटों के लिए रात से ही कतारें लगने लगीं। दर्शक भारतीय टीम को मैदान पर देखने के साथ-साथ वैभव की संभावित एंट्री का भी इंतजार कर रहे हैं। वैभव बिहार से आते हैं और रांची का बिहार से पुराना क्षेत्रीय जुड़ाव रहा है। यही वजह है कि स्थानीय दर्शकों के बीच इस युवा बल्लेबाज को लेकर खास अपनाने दिखाई दे रहा है। महेंद्र सिंह धोनी के शहर में अब प्रशंसक एक और युवा सितारे का बल्ले से जलवा देखने को उत्सुक

गंभीर के सामने संजू-अभिषेक का मजबूत तर्क

गौतम गंभीर की अगुआई वाले टीम प्रबंधन के सामने सबसे बड़ा तर्क मौजूदा सलामी जोड़ी का प्रदर्शन और टीम संयोजन है। संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा को पारी की शुरुआत के लिए लगातार मौका मिल रहा है। टी20 क्रिकेट में टीम का संतुलन और तय संयोजन काफी महत्वपूर्ण होता है। लखनऊ में भारत ने आठ विकेट से मुकाबला जीत लिया। ऐसे में जीत दिलाने वाले संयोजन से तुरंत बदलाव करने का कोई मजबूत कारण भी नजर नहीं आता। संजू और अभिषेक भले ही बड़ी पारी नहीं खेल सके, लेकिन ईशान किशन और श्रेयस अय्यर ने लक्ष्य आसानी से हासिल कर दिया। यही वजह है कि वैभव को बाहर रखना पूरी तरह गलत फैसला कहना जल्दबाजी होगी। लेकिन इसके बावजूद एक सवाल लगातार खड़ा हो रहा है—अगर किसी खिलाड़ी को मौका ही नहीं दिया जाएगा तो उसकी अंतरराष्ट्रीय क्षमता का सही आकलन कैसे होगा?

अब वैभव की पहचान सिर्फ उम्र नहीं

वैभव सूर्यवंशी को अब केवल 15 साल के युवा बल्लेबाज के तौर पर देखना उनकी पूरी तस्वीर नहीं होगी। कम उम्र में आईपीएल में प्रभाव छोड़ने के बाद उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी अपनी छाप छोड़ी है। जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में अर्धशतक ने उनके आत्मविश्वास और आक्रामक बल्लेबाजी की झलक दिखा दी थी।

लक्ष्मण ने दिया था बड़े मंच पर मौका
वैभव को लेकर मौजूदा बहस को समझने के लिए एशियाई खेलों का संदर्भ भी अहम है। वीवीएस लक्ष्मण की कोचिंग में वैभव को पाकिस्तान के खिलाफ स्वर्ण पदक मुकाबले जैसे बड़े मैच में खेलने का अवसर मिला था। उस टीम में संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा और ईशान किशन जैसे खिलाड़ी भी मौजूद थे। इससे साफ है कि उस समय वैभव को केवल उनकी उम्र के आधार पर नहीं देखा गया। उनके खेल और क्षमता पर भरोसा करते हुए उन्हें बड़े मंच पर उतारा गया था। अब टीम प्रबंधन की सोच अलग दिखाई दे रही है।

भुवनेश्वर के लिए खुला टीम इंडिया का दरवाजा
न बयानबाजी, न हार मानी, बस गेंद से देते रहे जवाब, रंग लाई 4 साल की तपस्या

नई दिल्ली, एजेंसी
भारतीय क्रिकेट में कुछ वापसी ऐसी होती हैं, जो सिर्फ टीम में जगह बनाने तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि संघर्ष, धैर्य और जुनून की मिसाल बन जाती हैं। तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की चार साल बाद भारतीय टीम में वापसी भी ऐसी ही कहानी है। 22 नवंबर 2022 को भारतीय टीम की जर्सी में आखिरी मुकाबला खेलने वाले भुवनेश्वर ने लंबा इंतजार करने के बाद 36 साल की उम्र में फिर राष्ट्रीय टीम में जगह बना ली है। पिछले चार वर्षों में भारतीय टीम में कई युवा तेज गेंदबाजों ने दस्तक दी। एक समय टीम के प्रमुख स्विंग गेंदबाज रहे भुवनेश्वर कुमार का नाम धीरे-धीरे चयनकर्ताओं की चर्चाओं से भी दूर होता गया। हालात यहां तक पहुंच गए थे कि कई क्रिकेट विशेषज्ञ उनकी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा का इंतजार करने लगे थे। लेकिन भुवनेश्वर ने न तो कोई शिकायत की और न ही बयानबाजी। उन्होंने मैदान पर अपनी मेहनत जारी रखी और गेंदबाजी में लगातार सुधार करते रहे।

आईपीएल में प्रदर्शन ने खोला टीम इंडिया का दरवाजा
भुवनेश्वर के लिए आईपीएल 2025 शानदार रहा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से खेलते हुए उन्होंने 17 विकेट हासिल किए। खासतौर पर अंतिम ओवरों में उनकी सटीक गेंदबाजी ने सभी का ध्यान खींचा। उनके प्रदर्शन ने बेंगलुरु को पहली बार खिताब जीतने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके बाद आईपीएल 2026 में भुवनेश्वर ने अपने प्रदर्शन का स्तर और ऊंचा कर दिया। उन्होंने 16 मुकाबलों में 17.89 की औसत से 28 विकेट चटकाए और टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में दूसरे स्थान पर रहे।

मेट्रो बाजार

नई दिल्ली. घरेलू कंज्यूमर टेक्नोलॉजी बांड मिनी ने बुधवार को घोषणा की कि उसका पहला स्मार्टफोन मिनी वन 5जी आगामी फिलपकार्ट बिग बिलियन डेज सेल के दौरान एक्सक्लूसिव तौर पर बिक्री के लिए उपलब्ध होगा। इसकी प्रभावी शुरुआती कीमत 11,999 रुपए है। इस लॉन्च के साथ मिनी ने बेहद प्रतिस्पर्धी स्मार्टफोन बाजार में कदम रखा है। कंपनी का लक्ष्य इस डिवाइस को परफॉर्मेंस,

मिनी वन 5जी की बिक्री फिलपकार्ट बिग बिलियन डेज में शुरू, कीमत 11,999 रुपए

कनेक्टिविटी और रोजमर्रा के इस्तेमाल पर केंद्रित एक वैल्यू-फॉर-मनी स्मार्टफोन के रूप में पेश करना है। प्रीटी पावरफुल टेगलाइन के साथ पेश किया गया मिनी वन 5जी, 5जी कनेक्टिविटी के साथ मुख्यधारा के उपभोक्ताओं को ध्यान में रखकर कई फीचर्स से लैस है। कंपनी के अनुसार, स्मार्टफोन कालकॉम स्नैपड्रैगन 4 जेन 2 5जी मोबाइल प्लेटफॉर्म से लैस है और अपने सेगमेंट में फिलहाल उपलब्ध स्नैपड्रैगन 3 प्रोसेसर वाला एक्सात्र 5जी स्मार्टफोन है।डिवाइस को रोजमर्रा के काम,

मनोरंजन, सोशल मीडिया इस्तेमाल और गेमिंग के लिए भरोसेमंद परफॉर्मेंस देने के साथ-साथ अगली पीढ़ी की कनेक्टिविटी को सपोर्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है। मिनी वन 5जी में 6.75 इंच का एचडी प्लस डिस्प्ले दिया गया है, जो 120 हर्ट्ज रिफ्रेश रेट को सपोर्ट करता है। इसमें 50 मेगापिक्सल का डुअल रियर कैमरा सेटअप, 8 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा और 6,000एमएच की बैटरी है, जो 18वात फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है।

पीयूष गोयल ने अमेरिकी कंपनियों को भारत में निवेश और कारोबार बढ़ाने दिया न्योता

नई दिल्ली । केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने न्यूयॉर्क में अमेरिका की कई प्रमुख कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कर भारत में निवेश बढ़ाने और द्विपक्षीय व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने के अवसरों पर चर्चा की। वाणिज्य मंत्रालय एक आधिकारिक बयान में कहा कि इन बैठकों का उद्देश्य भारत और अमेरिका के बीच आर्थिक एवं वाणिज्यिक सहयोग को नई गति देना था।

मंत्रालय के बयान के मुताबिक, गोयल ने ब्लैकस्टोन, न्यूबर्ग बरमन, एस्टी लॉडर कंपनीज, आईबीएम, मेटलार्इफ, जनरल अटलांटिक और एआईए ग्रुप के शीर्ष अधिकारियों से अलग-अलग बैठकें कीं। ब्लैकस्टोन के अध्यक्ष एवं मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) जोनाथन ग्रे और कंपनी के अंतरराष्ट्रीय प्रोडक्ट इक्रीटी कारोबार के चेयरमैन प्रकाश मेलवानी के साथ हुई बैठक में भारत में निवेश और साझेदारी बढ़ाने पर चर्चा हुई।

मैं विनिर्माण और स्थानीय सोर्सिंग बढ़ाने की संभावनाओं पर भी विचार किया। आईबीएम के चेयरमैन और सीईओ अरविंद कृष्णा के साथ बातचीत में भारत में कंपनी की भागीदारी को और मजबूत करने तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, कंटेंट कान्ट्रिब्यूट और अन्य उभरती तकनीकों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई।



37 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किया पिंडदान

पटना। एजेंसी

मोक्षधाम गयाजी में इस वर्ष पितृपक्ष मेले के दौरान रिकॉर्ड श्रद्धालु पहुंचे हैं। पर्यटन विभाग के अनुसार, अब तक 37 लाख 50 हजार 200 तीर्थयात्री, श्रद्धालु और पिंडदानी गया पहुंचकर अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान और तर्पण कर चुके हैं। इनमें देश के अलग-अलग राज्यों के अलावा रुस, फ्रांस, जर्मनी, इटली, ब्राजील और यूक्रेन जैसे देशों के अच्छी संख्या में नागरिक भी शामिल हैं। 8 अक्टूबर को दक्षिण अफ्रीका समेत अन्य देशों से 30 से 40 की संख्या में श्रद्धालुओं के गयाजी पहुंचकर पिंडदान करने की भी संभावना है। गयाजी में पितृपक्ष मेले के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। वर्ष 2022 में 9 लाख 40 हजार पर्यटक गया पहुंचे थे। इनमें 1518 विदेशी पर्यटक शामिल थे। वर्ष 2023 में यह संख्या बढ़कर 29 लाख 89 हजार हो गई, जिसमें करीब 82 हजार विदेशी पर्यटक शामिल रहे। वर्ष 2024 में कुल 30 लाख 59 हजार पर्यटक गयाजी पहुंचे, जिनमें एक लाख 55 हजार विदेशी थे। पिछले साल 2025 में कुल 34 लाख 79 हजार पर्यटक गयाजी पहुंचे थे, जिनमें 1807 विदेशी पर्यटक शामिल थे।



न्यूज विंडो

आंगनबाड़ी में सांप के काटने से पांच साल के बच्चे की मौत



पटना। बाढ़ थाना क्षेत्र की बेठना पंचायत के पोथमा पर गांव में आंगनबाड़ी केंद्र में पढ़ने गए पांच साल के बच्चे की सांप के काटने से मौत हो गई। मृतक की पहचान टुनटुन महतो के बेटे इशु कुमार के रूप में हुई है। परिजनों का आरोप है कि सांप के काटने के बाद आंगनबाड़ी सहायिका ने बच्चे को अस्पताल पहुंचाने के बजाय पैदल ही घर भेज दिया। परिजनों का कहना है कि समय पर इलाज नहीं मिलने के कारण बच्चे की हालत बिगड़ती चली गई। परिजनों के अनुसार, बुधवार करीब 11 बजे आंगनबाड़ी केंद्र में भोजन करने के बाद इशु हाथ धोने के लिए चापाकल के पास गया था। इसी दौरान उसकी हाथ की उंगली में सांप ने काट लिया। बच्चे ने इसकी जानकारी आंगनबाड़ी सहायिका को दी।

रबी की बुआई से पहले खाद की कालाबाजारी: 24 एफआईआर



जयपुर। रबी की बुवाई से पहले राजस्थान में खाद की उपलब्धता को लेकर सरकार ने निगरानी बढ़ा दी है। प्रदेश में फिलहाल 3.72 लाख मीट्रिक टन यूरिया का स्टॉक है। वहीं खाद की जमाखोरी, कालाबाजारी और दूसरे राज्यों में अवैध तरीके से भेजने के मामलों में अब तक 24 एफआईआर दर्ज की गई हैं। कार्रवाई के दौरान 118 खाद लाइसेंस निलंबित या निरस्त किए गए हैं। कृषि विभाग ने खाद की बिक्री करने वाले 12,362 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया है। इनमें 115 लाइसेंस निलंबित और तीन निरस्त किए गए। खाद के अवैध डायवर्जन के मामलों में 1,223 बैग जब्त किए गए हैं।

हंदवाड़ा में जमीन के नीचे से एके-47 सहित गोला बारूद मिले



हंदवाड़ा। सुरक्षाबलों ने कुपवाड़ा जिले के हंदवाड़ा में आतंकियों के एक बड़े षड्यंत्र को विफल कर दिया। वारदात को अंजाम देने के लिए आतंकियों ने नागदानार के जंगल में हथियार छिपा रखे थे। सुरक्षाबलों ने बुधवार को समय रहते इस ठिकाने को खोज निकाला। इस ठिकाने में आतंकियों ने 1132 कारतूस और साइलेंसर भी छिपा रखा था। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस, सेना की 21 राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) और सीआरपीएफ की 92वीं बटालियन को नागदानार के घने जंगल में संदिग्ध गतिविधियों और आतंकियों के ठिकाने के पुख्ता इनपुट मिले थे। इसके आधार पर सुरक्षाबलों के संयुक्त दल ने इलाके की घेराबंदी कर एक बड़ा तलाशी अभियान शुरू कर दिया।

डोन-मिसाइल हमले में 36 घायल, जवाब में यमन के 80 ठिकानों पर सऊदी की एयरस्ट्राइक

हूतियों का सऊदी एयरपोर्ट पर हमला, तीन की मौत

रियाद। एजेंसी

सऊदी अरब के दो एयरपोर्ट्स पर हूती विद्रोहियों ने डोन और मिसाइल से हमले किए। इसमें 3 लोगों की मौत हो गई है। साथ ही 36 लोग घायल हुए हैं। सऊदी अरब की जनरल अर्थॉरिटी ऑफ सिविल एविएशन ने बुधवार को यह जानकारी दी। आभा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को 6 और 7 अक्टूबर को निशाना बनाया गया। हूती विद्रोहियों ने दोनों हमलों की जिम्मेदारी ली है। वहीं, यमन में सऊदी के नेतृत्व वाले गठबंधन ने कहा कि उसने हूतियों के 80 से ज्यादा सैन्य ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई की है।



सऊदी ने यमन में मिसाइल लॉन्च करने वाला ठिकाना नष्ट किया

इस बीच, यमन में सऊदी अरब के नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने दावा किया कि उसने रियाद पर हमले के लिए इस्तेमाल किए गए एक बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च प्लेटफॉर्म को नष्ट कर दिया है। गठबंधन के प्रवक्ता कर्नल तुकी अल-मालिकी ने कहा कि यह कार्रवाई यमन की राजधानी सना में की गई। उनके मुताबिक, वहां सऊदी अरब पर एक और हमले की तैयारी चल रही थी।

हूतियों ने अरामको रिफाइनरी पर हमले का भी दावा किया

इससे पहले हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरी ने सऊदी अरब में कई जगहों पर मिसाइल और डोन हमले करने की जिम्मेदारी ली थी। इसमें रबीध में स्थित दुनिया की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी अरामको पर हमला भी शामिल है। सरी ने टेलीग्राम पर जारी बयान में कहा कि संगठन ने बड़ी संख्या में बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों के साथ

डोन का इस्तेमाल करते हुए तीन बड़े सैन्य अभियान चलाए। पहले हमले में रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को निशाना बनाया गया। सरी ने दावा किया कि हमला सीधे लक्ष्य पर हुआ और इससे हवाई यातायात प्रभावित हुआ। दूसरे हमले में रबीध स्थित अरामको की तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया गया।

बड़ा भंगाल ट्रैक पर निकले ट्रेकर्स लापता, थमसर पास के पास फंसने होने की आशंका

धर्मशाला। एजेंसी

हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में बड़ा भंगाल की ओर ट्रैकिंग पर गए पांच लोगों के संपर्क से बाहर होने की जानकारी सामने आई है। पांचों ट्रेकर्स से पिछले 12 घंटे से अधिक समय से कोई संपर्क नहीं हो पाया है। इसके बाद उनके सुरक्षित होने को लेकर चिंता बढ़ गई है। जानकारी के मुताबिक, पांचों ट्रेकर्स ने थमसर पास-बड़ा भंगाल ट्रैक का रुक किया था। उनका कार्यक्रम 5 अक्टूबर को थमसर पास पर कर बड़ा भंगाल पहुंचने का था। इसी अवधि में पहाड़ी क्षेत्र का मौसम अचानक खराब हो गया। मौसम की खराब परिस्थितियों को देखते हुए आशंका है कि ट्रेकर्स थमसर पास के आसपास किसी स्थान पर रुक गए हों या रास्ते में फंस गए हों।

मेट्रो एंकर

डब्ल्यूएमओ ग्लोबल वॉटर रिपोर्ट में खुलासा

35 सालों में सबसे सूखी रहीं नदियां, पिघलते ग्लेशियरों से गहराया वैश्विक जल संकट!

नई दिल्ली। एजेंसी

कहीं नदियों का बहाव घट रहा है तो कहीं बारिश बाढ़ बनकर तबाही मचा रही है। दुनियाभर में पानी को लेकर अलग-अलग समस्याएं सामने आ रही हैं। अब डब्ल्यूएमओ की नई रिपोर्ट भारत समेत दुनियाभर में पानी के संकट की गंभीर समस्या दिखाती है।

दुनिया में पानी लगातार चिंता का विषय बना हुआ है। कहीं नदियों का बहाव सामान्य से कम हो गया है तो कहीं कुछ ही समय में इतनी बारिश हो रही है कि बाढ़ जैसे हालात पैदा हो जाते हैं। विश्व मौसम विज्ञान संगठन



यानी डब्ल्यूएमओ की स्टेट ऑफ ग्लोबल वॉटर रिसोर्सेज 2025 रिपोर्ट

ने इसी बदलते जल पैटर्न को लेकर गंभीर चिंता जताई है।

रिपोर्ट की मानें, तो 2025 में दुनिया के नदियों का प्रवाह पिछले 35 सालों में सबसे सूखा रहा। दूसरी तरफ 2014-16 के बाद से जमीन पर मौजूद कुल जल भंडारण में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, 2025 में वैश्विक नदी बेसिन के करीब 36% हिस्से में सामान्य से कम जल प्रवाह दर्ज किया गया। लगातार सातवें साल सामान्य नदी प्रवाह वाले बेसिन बेहद कम रहे। बेसिन वह इलाका होता है जहाँ बारिश का पानी नालों, छोटी नदियों और नदियों के जरिए एक मुख्य नदी में जाकर मिल जाता है।

बागपत: परचून की दुकान में भीषण आग

दो सिलिंडर फटे; पांच साल की मासूम व महिला की मौत, कई लोग अंदर फंसे

बागपत। एजेंसी

पुलिस के अनुसार पटाखों में आग लगने के कारण खेकड़ा बाजार में पुलिस चौकी के पास परचून की दुकान में भीषण आग लग गई। आग व्यापारी प्रदीप जैन की दुकान से होते हुए मकान तक पहुंच गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पटाखों में आग लगने के कारण हादसा हुआ और इस दौरान दो सिलिंडर भी फट गए। आग की चपेट में आने से प्रदीप जैन के बेटे अंकुर जैन समेत कई लोग झुलस गए। पुलिस और दमकल कर्मी मौके पर राहत और बचाव कार्य में जुटे हैं। हादसे में स्वाति जैन और पांच वर्षीय आन्या जैन की मौत की सूचना है।



जानकारी के अनुसार, खेकड़ा बाजार में पुलिस चौकी के पास प्रदीप जैन की परचून की दुकान में आग लगी। बताया जा रहा है कि दुकान में रखे पटाखों में आग लगने के बाद आग तेजी से फैल गई। देखते ही देखते आग ने दुकान के साथ मकान को भी अपनी चपेट में ले लिया।

बस्तर सहकारिता सम्मेलन में जुटे देश के नामचीन अधिकारी

रायपुर। एजेंसी

बस्तर में आज और कल पहली बार राष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय की ओर से जगदलपुर में होने वाले सम्मेलन में देशभर के वरिष्ठ अधिकारी 'सहकार से समृद्धि' की कार्ययोजना पर मंथन कर रहे हैं। सम्मेलन भारत सरकार के सहकारिता विभाग के सचिव आशीष कुमार भूटानी की अध्यक्षता में होगा। इसमें अतिरिक्त सचिव एवं राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम के प्रबंध संचालक पंकज बंसल और भारत सरकार के अतिरिक्त सचिव सिद्धार्थ जैन भी शामिल होंगे। सम्मेलन में मल्टीपर्स प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (एम-पैक्स) और दुग्ध समितियों के गठन, एम-पैक्स कंप्यूटीकरण, सहकारिता में डिजिटल तकनीक के उपयोग, भंडारण क्षमता के विस्तार और सहकारी बैंकिंग के सशक्तिकरण पर विशेष चर्चा होगी। एम-पैक्स से उर्वरक वितरण और बहुराज्यीय सहकारी संस्थाओं से समन्वय पर भी विचार कर अगले तीन महीनों की कार्ययोजना तैयार की जाएगी।